राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 07 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–221 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरियाली की चादर समेटे रोशनी से नहाया रहेगा सेंट्रल विस्टा एवेन्यू

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा एवेन्यू यानी भावी कर्तव्यपथ (राजपथ) के दोनों और का हिस्सा अब न केवल हरियाली की चादर समेटे होगा, बल्कि रोशनी से भी पूरी तरह नहाया रहेगा। सुरक्षाकर्मियों और सीसीटीवी की निगरानी के साथ यहां आने वाले लोगों को लंबा पैदल पथ एवं हर लॉन में जन सुविधाएं भी मिलेंगी। सभी तरह के वाहनों के लिए व्यापक पार्किंग, नहरों के ऊपर से गुजरते पलों से आवाजाही और वोटिंग का लुत्फ बरकरार रहेगा। सेंट्रल विस्टा परियोजना का एक बड़ा और अहम हिस्सा सेंट्रल विस्टा एवेन्यू पूरी तरह तैयार हो चुका है। इसे नए भव्य स्वरूप में ऐतिहासिक विरासत के साथ नया आयाम दिया गया है। गणतंत्र दिवस की भव्य और गौरवशाली परेड के लिए भी विशेष स्ट्रक्चर तैयार किए गए हैं, ताकि हर साल परेड के समय होने वाले बदलावों से बचा जा सके। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन करेंगे। समूचे राजपथ पर 75 ऐतिहासिक प्रकाश स्तंभ और सभी जंजीरों वाले लिंक बरकरार रखे गए हैं। उनके साथ ही 900 से ज्यादा नए प्रकाश स्तंभ लगाए गए हैं, जिससे कि लोगों की सुरक्षा ज्यादा मजबूत की जा सके। यह प्रकाश स्तंभ राजपथ के दोनों ओर, नहरों के आसपास, पेड़ों के पास, नई पार्किंग और इंडिया गेट क्षेत्र में लगाए गए हैं।

पार्किंग में खड़ी हो सकेंगी 1125 कारें–राजपथ पर दोनों ओर, नहरों के किनारे लाल ग्रेनाइट पत्थरों का पैदल पथ तैयार किया गया है। साढ़े 16 मीटर लंबा पैदल पथ राजपथ, लॉन, नहरों के आसपास और इंडिया गेट के आसपास से गुजरता है। पूरे क्षेत्र में 400 से ज्यादा बेंच लगाई गई हैं, जिससे कि आसानी से लोग बैठ सकें। डेढ़ सौ से ज्यादा कूड़ेदान और साढ़े छह सौ से ज्यादा नए संकेतक भी लगाए गए हैं।

पीएम मोदी ने शेख हसीना को रिसीव किया

राष्ट्रपति भवन में बांग्लादेशी पीएम का रिसेप्शन, बोलीं- हमारी आजादी की लड़ाई में भारत का योगदान

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आईं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की रिस्पेशन सेरेमनी राष्ट्रपति भवन में जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में रिसीव किया। शेख हसीना 8 सितंबर तक भारत दौरे पर रहेंगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच 7 समझौते हो सकते हैं।

भारत हमारा दोस्त- शेख हसीना

राष्ट्रपति भवन में शेख हसीना ने कहा- भारत हमारा मित्र है। भारत आना हमेशा ही मेरे लिए सुखद रहता है, क्योंकि हमें हमेशा याद दिलाता है कि इस देश ने बांग्लादेश की आजादी के वक्त क्या योगदान दिया था। हमारे संबंध दोस्ताना हैं और हम हमेशा एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। शेख हसीना ने कहा- हमारा मुख्य फोकस हमारे लोगों के बीच सहयोग बढ़ाना, गरीबी को खत्म करना और इकोनॉमी को दुरुस्त करना है। इन मुद्दों के साथ मिलकर हम दोनों

देश साथ काम करेंगे। इससे भारत-बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लोगों को बेहतर जीवन मिल सके। यही हमारा लक्ष्य है।

अजमेर शरीफ दरगाह भी जाएंगी शेख हसीना

राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भारत-बांग्लादेश के बीच रक्षा, व्यापार, रेलवे, वाटर मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी से जुड़े 7 समझौते हो सकते हैं। इनमें महत्वपूर्ण कुशियारा नदी जल समझौता भी शामिल है। 8 सितंबर को शेख हसीना अजमेर शरीफ की दरगाह पर माथा टेकने जाएंगी।

भारत आने से पहले रोहिंग्या को बताया था बोझ–भारत दौरे से पहले एक इंटरव्यू में शेख हसीना ने रोहिंग्या मुसलमानों को एक चुनौती बताया। उन्होंने कहा था- ये देश के लिए बहुत बड़ा बोझ हैं और उन्हें लगता है कि इस मुद्दे का समाधान निकलने में भारत एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे बांग्लादेशी छात्रों का रेस्क्यू करने के लिए भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की।

बांग्लादेश का 'टेस्टेड फ्रेंड' है भारत

शेख हसीना ने कहा था कि भारत बांग्लादेश का 'टेस्टेड फ्रेंड' यानी परखा हुआ दोस्त है। उन्होंने कहा- भारत ने वैक्सीन मैत्री प्रोग्राम के तहत बांग्लादेश को वैक्सीन की कई खेप भेजीं। ये भी सराहनीय है। उन्होंने पड़ोसी देशों के बीच मजबूत सहयोग कायम रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

इस साल दीपोत्सव में 14 लाख दीयों से जगमगाएगी अयोध्या

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस साल दिवाली के दौरान अयोध्या में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में 14 लाख दीये जलाने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार का इरादा एक बार फिर एक साथ किसी भी स्थान पर सबसे अधिक संख्या में दीये जलाने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने का है। सरकार ने 2021 में घाटों पर 9 लाख से अधिक दीये जलाकर अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ा था।

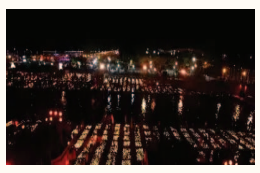

शहर भर में अन्य 3 लाख दीये जलाए गए। पर्यटन विभाग इस साल 23 अक्टूबर को पड़ने वाली दिवाली की पूर्व संध्या पर मनाए जाने वाले दीपोत्सव पर शहर में 14 लाख से अधिक दीये जलाने की योजना पर काम कर रहा है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, शहर के 21 मंदिरों में लगभग 4.5 लाख दीये जलाए जाएंगे, जिससे कुल संख्या 18 लाख से अधिक हो जाएगी। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को अपने अधीन आने वाली प्रत्येक ग्राम सभा में 10 दीये बनवाने का निर्देश दिया है, जो सरकार को दान में दिए जाएंगे। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की एक टीम भी मौके पर मौजूद रहेगी। प्रमुख सचिव (पर्यटन) मुकेश मेश्राम ने कहा कि ग्राम सभाओं से एकत्र किए गए दीयों को फैजाबाद में डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय को सौंप दिया जाएगा, जिसके स्वयंसेवक हर साल उन्हें घाटों पर रखने और उन्हें जलाने की प्रक्रिया का नेतृत्व करते हैं

टू प्लस टू वार्ता के लिए चार दिवसीय दौरे पर जापान जाएंगे रक्षा और विदेश मंत्री

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 07-10 सितंबर तक दूसरी भारत-जापान टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए जापान की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्रा के दौरान राजनाथ अपने समकक्ष रक्षा मंत्री यासुकाजू हमदा के साथ रक्षा मंत्री स्तरीय बैठक और जयशंकर विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी के साथ रणनीतिक वार्ता करेंगे। मंत्रालय के अनुसार भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के सम्मान एवं साझा मूल्यों पर आधारित है।

लखीमपुर के गोला से 5 बार विधायक रहे अरविंद गिरी का चलती गाड़ी में हार्ट अटैक से निधन

मीटिंग के लिए जा रहे थे लखनऊ

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के खीमपुर खीरी के गोला से पांच बार विधायक रहे अरविंद गिरी का आकस्मिक निधन हो गया। मंगलवार की सुबह विधायक लखीमपुर खीरी जिले के गोला से लखनऊ के लिए मीटिंग में निकले थे। सिधौली के पास चलती गाड़ी में उन्हें हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद इलाज के लिए उन्हें लखनऊ के हिन्द हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने भाजपा विधायक अरविंद गिरी को मृत घोषित कर दिया।

खबर फैलने के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। 65 साल के अरविंद

मंगलवार की सुबह विधायक लखीमपुर खीरी जिले के गोला से लखनऊ के लिए मीटिंग में निकले थे। सिधौली के पास चलती गाड़ी में उन्हें हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद इलाज के लिए उन्हें लखनऊ के हिन्द हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने भाजपा विधायक अरविंद गिरी को मृत घोषित कर दिया।

गिरि गोला विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार विधायक थे। गोला में उनके निधन की सूचना के बाद लोगों का जुटान शुरू हो गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक जताया है। सीएम योगी ने अपने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लखीमपुर खीरी जिले के गोला विधानसभा सीट से भाजपा विधायक अरविंद गिरि का निधन अत्यंत दुखद है। मेरी शोक संवेदनाएं संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सकने की शक्ति प्रदान करें।

भीषण बाढ़ की चपेट में केरल-कर्नाटक, इन दक्षिणी राज्यों में मानसून का कहर

बेंगलुरु। देश के कई हिस्सों में मानसून का कहर अभी भी जारी है। दक्षिण भारत के राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। केरल और कर्नाटक में तो यह स्थित है कि लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बाढ़ के चलते बेंगलुरु में इतना पानी भर गया है कि जनजीवन ठप हो गया है, वहां पिछले एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है। आइए जानते हैं कि दक्षिण भारत में बाढ़ और बारिश ने कितनी तबाही मचाई है।

विशेष रूप से अलाप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पानी-पानी हो गया बेंगलुरु–दरअसल, सिलिकॉन सिटी के नाम से मशहूर बेंगलुरु में बारिश कहर बरपा रही है। शहर के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं। सड़कों पर नदियों की तरह पानी बह रहा है। घरों में तालाब की तरह पानी इकट्ठा हो चुका है। सड़कें पूरी तरह से पानी में डूब चुकी हैं। लोगों के घरों में भी पानी पहुंच गया। लोगों को कही आने-जाने में के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

कर्नाटक के 16 जिलों में बाढ़ का असर

इतना ही नहीं बेंगलुरु के अलावा कर्नाटक के अन्य कई जिलों में भी बाढ़ की तबाही है। सोमावर देर रात राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई ने बेंगलुरू नगर सहित बारिश से प्रभावित 16 जिलों के जिलाधिकारियों के साथ आपात बैठक की और इस बैठक में राजधानी बेंगलुरू में हालात सामान्य करने के लिए फौरी तौर पर तीन सौ करोड़ रुपए आवंटित करने का फैसला लिया गया।

केरल में भी बाढ़ जैसी स्थिति, कई जिलों में रेड अलर्ट–उधर केरल में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। राजधानी तिरुवनंतपुरम के पास मनकायम जलप्रपात में अचानक आई बाढ़ में बह जाने से दो लोगों की मौत हो गई।

पगड़ी की तुलना हिजाब से नहीं कर सकते, सुप्रीम कोर्ट ने आखिर ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली। हिजाब विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पगड़ी हिजाब के बराबर नहीं है, यह धार्मिक नहीं है। इसकी तुलना हिजाब से नहीं की जा सकती। जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ हिजाब मामले में दिए गए कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। की। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 मार्च के अपने फैसले में राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को बरकरार रखा था।

क्या स्कूल में धर्म पालन का अधिकार है?

याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि हिजाब प्रतिबंध से महिलाएं शिक्षा से वंचित रह सकती हैं। इस पर पीठ ने कहा कि राज्य यह नहीं कह रहा है कि वह किसी भी अधिकार से इनकार कर रहा है। राज्य यह कह रहा है कि आप उस ड्रेस में आएं जो विद्यार्थियों के लिए निर्धारित है। किसी भी व्यक्ति को धर्म का पालन करने का अधिकार है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह अधिकार निर्धारित यूनिफॉर्म वाले स्कूल में भी लागू हो सकता है। क्या कोई विद्यार्थी उस स्कूल में हिजाब पहन सकती है जहां निर्धारित ड्रेस है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से राजीव धवन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एक जज थे जो तिलक लगाते थे और एक पगड़ी पहनते थे। कोर्ट नंबर-2 में एक तस्वीर लगी है जिसमें जज को पगड़ी पहने दिखाया गया है। सवाल यह है कि क्या महिलाओं को ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए जो सरकार ने तय किया है। और क्या हिजाब इस्लाम की अनन्य धार्मिक प्रथा है। यूनिफॉर्म निर्धारित करने की शक्ति सरकार को नहीं दी गई थी और यदि कोई व्यक्ति यूनिफॉर्म पर अतिरिक्त चीज पहनता है तो यह यूनिफॉर्म का उल्लंघन नहीं होगा। इस पर जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि पगड़ी हिजाब के बराबर नहीं है यह धार्मिक नहीं है, इसकी तुलना हिजाब से नहीं की की जा सकती। यह शाही राज्यों में पहनी जाती थी, मेरे दादा जी कानून की प्रेक्टिस करते हुए उसे पहनते थे। इसकी तुलना हिजाब से मत कीजिए। स्कार्फ पहनना एक आवश्यक प्रथा हो सकती है या नहीं, सवाल यह हो सकता है कि क्या सरकार महिलाओं के ड्रेस कोड को विनियमित कर सकती है।

समान नागरिक संहिता पर रुख स्पष्ट करे केंद्र, बीजेपी नेता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया 3 सप्ताह का समय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की व्यवहार्यता पर तीन सप्ताह के भीतर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा। भारत के मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की एक पीठ शादी की उम्र, तलाक के आधार, उत्तराधिकार और गोद लेने के लिए कानूनों में एकरूपता की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, ÷ये याचिकाएं शादी, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार और मेंटिनेंस कानूनों की मांग कर रही हैं। इन बातों में क्या अंतर है? ये सभी समान नागरिक संहिता के पहलू हैं।÷ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

एकरुपता की मांग–वकील और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय और एक अन्य याचिकाकर्ता लुबना कुरैशी द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह ने विभिन्न धर्मों के लिए प्रचलित तलाक, विवाह, उत्तराधिकार, गोद लेने और मेंटिनेंस पर विभिन्न कानूनों में कमियों की तरफ इशारा किया है। उपाध्याय ने अपनी याचिका में एकरूपता लाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि व्यभिचार के लिए हिंदुओं, ईसाइयों और पारसियों के लिए एक आधार है, लेकिन मुसलमानों के लिए नहीं। इसी तरह कुष्ठ बीमारी हिंदुओं और मुसलमानों के लिए तलाक का आधार है, लेकिन ईसाइयों और पारसियों के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि कम उम्र में शादी हिंदुओं के लिए तलाक का आधार है, लेकिन ईसाइयों, पारसियों और मुसलमानों के लिए नहीं है।

उपाध्याय की याचिका में यह भी कहा गया है कि सभी धर्मों की महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक प्रथाएं जो उन्हें उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करती हैं, उनकी रक्षा नहीं की जानी चाहिए। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह अनिवार्य रूप से कानून का सवाल होगा। अगर जरूरत पड़ी, तो हम तीन सप्ताह में जवाब देंगे।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने किया विरोध

याचिकाओं का विरोध करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और एक मुस्लिम महिला अमीना शेरवानी ने शीर्ष अदालत में इन याचिकाओं का विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दरवाजे से यूसीसी लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी ने कहा कि उपाध्याय ने 2015 में शीर्ष अदालत में दायर एक रिट याचिका में इसी तरह की मांग की थी जिसे उन्होंने बाद में वापस ले लिया था।

शराब घोटाले में अब ईडी की एंट्री

कई शहरों में 30 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाले को लेकर चल रही सीबीआई जांच के बीच अब ईडी की भी एंट्री हो गई है। दिल्ली-एनसीआर के समेत देश के कई शहरों में 30 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कई शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी के अधिकारी पहुंचे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ के अलावा मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में भी तलाशी ली जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लिज ट्रस की जीत के अर्थ

भारतीय मूल के हैं। उनके पिता गुजराती और माँ पंजाबी हैं। इसके बावजूद उन्हें ट्रस के 81 हजार वोटों के मुकाबले 60 हजार वोट मिल गए, यह अपने आप में भारतीयों के लिए गर्व की बात है। जिस अंग्रेज ने भारत पर लगभग 200 साल राज किया, उसी अंग्रेज के सिंहासन तक पहुंचने का अवसर एक भारतीय को मिल गया।

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री लिज ट्रस तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार ऋषि सुनक को हराकर यह सर्वोच्च पद पाया है। वे पिछली बोरिस जॉनसन सरकार में विदेश मंत्री रही हैं। ऋषि सुनक हारे जरुर हैं लेकिन उन्हें 43 प्रतिशत वोट मिल गए जबकि ट्रस को 57 प्रतिशत वोट मिले। सुनक अंग्रेज नहीं हैं। भारतीय मूल के हैं। उनके पिता गुजराती और माँ पंजाबी हैं। इसके बावजूद उन्हें ट्रस के 81 हजार वोटों के मुकाबले 60 हजार वोट मिल गए, यह अपने आप में भारतीयों के लिए गर्व की बात है। जिस अंग्रेज ने भारत पर लगभग 200 साल राज किया, उसी अंग्रेज के सिंहासन तक पहुंचने का अवसर एक भारतीय को मिल गया। सुनक का यह साहस ही था कि उन्होंने अपना इस्तीफा देकर बोरिस जॉनसन की सरकार को गिरवा दिया। वित्तमंत्री के तौर पर उन्हें काफी सराहना मिली थी लेकिन कई छोटे-मोटे विवादों ने उनकी छवि पर प्रश्न चिन्ह भी उछाल दिए थे। यदि वे जीत जाते तो 21 वीं सदी की वह उल्लेखनीय घटना बन जाती लेकिन हारने के बावजूद उन्होंने जो बयान दिया है, उसमें आप भारतीय उदारता और गरिमा की झलक देख सकते हैं। उन्होंने ट्रस को बधाई दी है और कंजर्वेटिव पार्टी को एक परिवार की तरह बताया है। लिज ट्रस कैसी प्रधानमंत्री साबित होंगी, यह कहना मुश्किल है। अगले दो साल तक उनकी कुर्सी को कोई हिला नहीं सकता लेकिन 2024 के चुनाव में वे अपनी पार्टी को कैसे जिता पाएंगी, यह देखना है। बोरिस जॉनसन का उन्हें पूरा सहयोग रहेगा लेकिन उनकी हालत इस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ की तरह हो गई है। वे जिस वक्त में प्रधानमंत्री बनी हैं, वह ऐसा खराब है, जैसा पिछले कई दशकों में नहीं रहा है। ब्रिटेन में मंहगाई, बेरोजगारी, महामारी आदि की समस्याओं ने तो सिर उठा ही रखा है, उसकी अर्थव्यवस्था बिल्कुल डांवाडोल हो रही है। आम आदमी सरकारी टैक्स भरने से बेहद परेशान है। ट्रस का कहना है कि टैक्स घटाने में वे कोताही नहीं करेंगी। लेकिन ब्रिटेन के कई मजदूर-संगठनों ने अभी से हड़तालों और प्रदर्शनों की घोषणा कर दी है। विदेश मंत्री के तौर पर उनके द्वारा दिए गए कई बयानों की ब्रिटिश अखबारों ने काफी मजाक उड़ाई है लेकिन यूक्रेन के बारे में उनकी रूस-विरोधी नीति को काफी समर्थन मिला है। यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के संबंध को घनिष्ट बनाने के लिए भी वे कृतसंकल्प हैं। रूस-चीन की हिंद-प्रशांत नीति के विरोध में भी वे सक्रिय रहेंगी। रूस सरकार ने ट्रस के प्रधानमंत्रित्व का काफी मजाक उड़ाया है लेकिन ऋषि सुनक की हार के बावजूद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रस का स्वागत किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि ट्रस-काल में ही भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाए। विदेश मंत्री की हैसियत में वे दो बार भारत आ चुकी हैं। यह भी संभव है कि उनके मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के कुछ नेताओं को महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जाएं। ऋषि सुनक को पराजित करनेवाली अंग्रेज नेता को भारत के प्रति अतिरिक्त उदारता दिखाने में ही ज्यादा लाभ होगा।

कार्टून

धर्म

अंतर में ध्यान

संत राजिन्दर

खुशी और शांति पाने के लिए इंसान तरह-तरह के प्रयास करता है। ज्यादातर सभी लोग सोचते हैं कि धन-दौलत जमा करके, जायदाद इकट्ठी करके, नई-नई खोजें या अविष्कार करके, सत्ता पाकर या फिर नाम प्रसिद्धी प्राप्त करके वह इस दुनिया की हरेक खुशी पा लेंगे, लेकिन अगर हम उन लोगों की ओर देखें जिनके पास ये सब चीज़ें हैं तो हम पाएंगे कि वे लोग फिर भी दुःखी हैं। उन्हें भी यह लगता था कि उन चीजों से उन्हें खुशी मिलेगी किंतु इस दुनिया की कोई भी चीज हमें सदा-सदा की खुशी नहीं दे सकती क्योंकि यहां की हर चीज अस्थायी है। सभी संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस संसार की हर चीज जड़ता की बनी है और वह एक न एक दिन नष्ट हो जाती है किंतु हमारी आत्मा जोकि परमात्मा का अंश है वह जड़ नहीं, चेतन है और सदा-सदा रहने वाली है। हमारी आत्मा को सच्ची खुशी तभी मिलती है जब वह पिता-परमेर से जुड़ती है। तब वह परमानंद, खुशी, प्रेम और दिव्य ज्योति से भरपूर रहती है। ध्यान-अभ्यास एक ऐसी विधि है जिसके जरिये हमारी आत्मा यह दिव्य अनुभव करती है। तब ही हम अपनी आत्मा को जान पाते हैं और प्रभु-प्रेम का अमृत पी सकते हैं। जो लोग ध्यान-अभ्यास करते हैं वह अपने आपको हर समय शांति और आनंद से भरा हुआ पाते हैं। यह ऐसी शांति है जोकि सदा-सदा हमारे साथ रहती है। हमें सिर्फ अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में टिकाना है ताकि हम इसका अनुभव कर सकें। इस समय हमारा ध्यान बाहर की दुनिया में फैला हुआ है। हम अपनी पांच इंद्रियों के द्वारा बाहरी संसार और अपने भौतिक शरीर को जान पाते हैं, लेकिन अगर हम अपने ध्यान को दो आंखों के बीच 'शिवनेत्र' पर एकाग्र कर लें तो हम अपनी आत्मा के खजानों का अनुभव कर पाएंगे। अंतर में ध्यान टिकाने की इस प्रक्रिया को कई नामों से पुकारा गया है जैसे ध्यान-अभ्यास, अंतर्मुख होना या प्रार्थना करना। जो लोग आंतरिक शांति का अनुभव कर लेते हैं, वो बाहरी संसार में भी शांति स्थापित करने में मददगार होते हैं। क्योंकि वो अपने अंतर में शांति प्राप्त कर बाहरी दुनिया की परेशानियों में बहुत ही शांत तरीके से व्यवहार करके उनका समाधान करते हैं और उस शांति को वे अपने चारों ओर के लोगों में भी फैलाते हैं।

रुपये में वैश्विक कारोबार से घटेगा घाटा

लेखिका- जयंतीलाल भंडारी

भारत अपनी क्रूड ऑयल की करीब 80-85 फीसदी जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इसकी खरीद पर भारत द्वारा अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। साथ ही देश में कोयला, उर्वरक, वनस्पति तेल, दवाई के कच्चे माल, केमिकल्स आदि का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे डॉलर की जरूरत और ज्यादा बढ़ गई है। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार का आकार कम होता जा रहा है।

इस समय एक ओर तेजी से बढ़ता देश का व्यापार घाटा तो दूसरी ओर तेजी से घटता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार आर्थिक चिंता का बड़ा कारण बन गया है। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के आंकड़े तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे का संकेत दे रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष 2022-23 में अप्रैल-जून की तिमाही के दौरान भारत का कुल निर्यात बढ़कर 121 अरब डॉलर रहा, वहीं इस अवधि में आयात और तेजी से बढ़कर 190 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया। इस तरह इस तिमाही में भारत को 69 अरब डॉलर का घाटा हुआ। जहां जुलाई, 2022 में देश में 66.27 अरब डॉलर मूल्य का आयात किया गया, वहीं 36.27 अरब डॉलर का निर्यात किया गया। ऐसे में जुलाई, 2022 में भी 30 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दिखाई दिया। यह व्यापार घाटा पिछले वर्ष जुलाई, 2021 में 10.63 अरब डॉलर था। सालाना आधार पर जुलाई, 2022 में आयात में 43.61 फीसदी वृद्धि हुई है। इसी तरह 19 अगस्त को भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का आकार घटते हुए 564.05 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 सितंबर, 2021 को 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर था। अब तक रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मंदी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमत के कारण जो डॉलर लगातार मजबूत हुआ है, वह डॉलर चीन और ताइवान के बीच गहरे तनाव के मद्देनजर और मजबूत होने की प्रवृत्ति बता रहा है। ऐसे में देश के तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे पर नियंत्रण एवं विदेशी मुद्रा भंडार को घटने से बचाने के लिए निर्यात बढ़ाने और अनावश्यक आयात घटाने के लिए अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी क्रूड ऑयल की करीब 80-85 फीसदी जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इसकी खरीद पर भारत द्वारा अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। साथ ही देश में कोयला, उर्वरक, वनस्पति तेल, दवाई के कच्चे माल, केमिकल्स आदि का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे डॉलर की जरूरत और ज्यादा बढ़ गई है। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार का आकार कम होता जा रहा है। चूंकि पिछले वर्ष 2021-22 में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत का उत्पाद निर्यात करीब 419 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचा है। अतएव हमें और अधिक निर्यात बढ़ाकर अधिक डॉलर की कमाई करनी होगी। वर्ष 2021-22 में भारत द्वारा अमेरिका को 76 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। अब अमेरिका में मंदी की शुरुआत जैसी स्थिति के मद्देनजर भारतीय निर्यात पर असर दिख रहा है। चीन सहित दुनिया के कई देशों को भी निर्यात बढ़ाने में चुनौती दिख रही है। ऐसे में निर्यात के नए बाजार खोजना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री जयशंकर 22 से 27 अगस्त तक लैटिन अमेरिका के तीन देशों ब्राजील, अर्जेंटीना व पैराग्वे के दौरे पर रहे और वहां उन्होंने निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं खोजी। पिछले वित्त वर्ष में लेटिन अमेरिकी देशों को 18.89 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया गया था। वैश्विक जरूरतों के अनुरूप घरेलू उत्पादन बढ़ाकर नए चिन्हित देशों में उत्पाद निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ सेवा निर्यात भी तेजी से बढ़ाना जरूरी है। चूंकि कोविड-19 के बीच भारत ने 200 से अधिक देशों को कोरोना की दवाइयां निर्यात की हैं। अतएव ऐसे भारत से भावनात्मक रूप से जुड़े देशों में निर्यात की नई संभावनाएं मुट्ठियों में ली जा सकती हैं। अब देश द्वारा मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को तेजी से आकार देने की रणनीति पर भी आगे बढ़ना होगा। इससे भी निर्यात बढ़ेंगे। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय से भारतीय निर्यातकों और आयातकों को अब व्यापार के लिए डॉलर की अनिवार्यता नहीं रहेगी। वहीं अब दुनिया का कोई भी देश भारत से सीधे बिना अमेरिकी डॉलर के व्यापार कर सकता है। जहां डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान, एशिया और अफ्रीका सहित कई छोटे-छोटे देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार तेजी से बढ़ेगा, वहीं भारत का व्यापार घाटा कम होगा और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि जिस तरह भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय कारोबार को ज्यादा से ज्यादा एक-दूसरे की मुद्राओं में करने को लेकर दोनों देशों ने कदम आगे बढ़ाए हैं, उसी तरह भारत द्वारा अन्य देशों के साथ एक-दूसरे की मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। ज्ञातव्य है कि पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों की काट खोजने के मद्देनजर एशिया के कई देश रूस के साथ डॉलर और यूरो के बजाय एशियाई मुद्राओं में कारोबार करने लगे हैं। फरवरी, 2022 के बाद से भारत ने रूस से काफी ज्यादा क्रूड खरीदना शुरू कर दिया है, जिसका असर द्विपक्षीय कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। सरकार के नये फैसले का देश की पेट्रोलियम कंपनियों को भी फायदा हुआ है और विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर के व्यय में भी कुछ कमी आई है। अगर भारत सरकार रुपये में कारोबार करने को प्रोत्साहन देने लगे तो इससे निर्यातकों के बीच रुपये को लेकर स्वीकार्यता बढ़ेगी। अभी डॉलर या यूरो में निर्यात की कमाई लाने वाले निर्यातकों को सरकार की तरफ से कर छूट दी जाती है। यह छूट रुपये में निर्यात की कमाई लाने में उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्कीम को तैयार किया जाना चाहिए, जिससे रुपये में वैश्विक कारोबार की अनुमति बढ़े और व्यापार घाटे में कमी आ सके। यह जरूरी है कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी की जाए। हमें विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में प्रवासी भारतीयों का अधिक सहयोग लेना होगा। अतीत में जब विदेशी मुद्रा में तेज गिरावट आई तब प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया था। 11 और 13 मई, 1998 को भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण पोखरण-2 विस्फोट के बाद अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को देखते हुए विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने हेतु अगस्त, 1998 में रीसर्जेंट इंडिया बॉन्ड्स की मदद से 4.8 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई थी। इसी तरह 2001 में इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट स्कीम की मदद से करीब 5 अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई। ऐसे प्रयासों से विदेशी मुद्रा भंडार की चिंताएं कम हुई थीं। अब रुपये में वैश्विक कारोबार बढ़ाने के मौके को भी मुट्ठियों में लेकर डॉलर की चिंताओं को कम किया जाना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार द्वारा उत्पाद निर्यात और सेवा निर्यात बढ़ाने से भी अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त हो सकेगी। अनावश्यक आयात में कमी करके डॉलर के खर्च में बचत की जा सकेगी। प्रवासी भारतीयों से अधिक विदेशी मुद्रा का सहयोग प्राप्त हो सकेगा। इन सबके कारण निर्यात बढ़ाए जा सकेंगे, व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकेगी और घटता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार फिर से संतोषजनक स्थिति में पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

विचार मंथन

दाऊद पर शिकंजा

खक-सिद्धार्थ शंकर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने डरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके डी पनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी ी के लिए नकद इनाम राशि देने की घोषणा ी है। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के ाए एनआईए ने 25 लाख रुपए के इनाम की षणा की है। आईएनए के मुताबिक दाऊद ाहिम का गिरोह हथियार, विस्फोटक, ड्रग्स ार नकली भारतीय मुद्रा नोट की तस्करी के ाए भारत में इकाई की स्थापना करने की ाशिश में लगा है और पाकिस्तानी एजेंसियों ार आतंकी संगठनों के साथ मिलकर आतंकी मले करने की फिराक में है। जांच एजेंसी ने ाहिम के करीबी शकील शेख उर्फ छोटा कील पर 20 लाख रुपए और हाजी अनीस र्फ अनीस इब्राहिम शेख, जावेद पटेल उर्फ ावेद चिकना और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल ज्जाक मेमन उर्फ टाइगर पर 15-15 लाख ाए का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। सभी 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों मामले में वांछित आरोपी हैं। एजेंसी ने रवरी में डी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज ाया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि ऊद इब्राहिम कासकर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा क वैश्विक आतंकवादी नामित किया गया है, ा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क लाता है, जिसका नाम डी-कंपनी है, जिसमें अनीस इब्राहिम शेख, छोटा शकील, जावेद चिकना और टाइगर मेमन जैसे उसके करीबी सहयोगी शामिल हैं। .दाऊद 1993 के मुंबई बम धमाकों में भारत का मुख्य वांछित अपराधी है। उन धमाकों में 250 से ज्यादा निरीह लोगों की जानें गई थीं। उस घटना के बाद से ही यह आतंकी भारत से फरार है और पाकिस्तान भले ही इनकार करता आया हो, यह उसी के संरक्षण में रहा और वहीं अपने ठिकाने बदलता रहा। उसके दुबई सहित कई अन्य देशों में भी होने की खबरें आती रही हैं। कोई शक नहीं कि दाऊद को पाकिस्तान व आईएसआई का संरक्षण हासिल है और उनके सहयोग से ही उसका पाकिस्तान के बाहर भी आना-जाना रहा है। वह आज भी उन्हीं की सरपरस्ती में ही वहीं कहीं होगा। जरूरत इसी तरह दबाव बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और इंटरपोल की मदद से उसे ढूंढ निकालने और गिरफ्तार करने की है। इसीलिए अब उसे खोजने वाले को इनाम देने का ऐलान किया गया है। भरोसा किया जाना चाहिए कि जिस तरह अबू सलेम को भारत लाने और सजा दिलवाने में कामयाबी मिली, वैसी ही सफलता दाऊद के मामले में भी जल्द मिलेगी। अपने यहां दाऊद इब्राहिम की मौजूदगी को लेकर पाकिस्तान कई बार पलटी मार चुका है। इमरान सरकार ने यह कबूला था कि दाऊद इब्राहिम उसी के यहां है और वहां उसकी संपत्तियां व बैंक खाते हैं। कराची के जिस घर में वह रहता है, उसका पता भी पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक किया था। यह भी बताया गया कि दाऊद के पास चौदह पासपोर्ट हैं। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी 88 आतंकवादियों की सूची में भी दाऊद का नाम है। ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि दाऊद पाकिस्तान में ही है और पूरी तरह से सरकार, सेना और आईएसआई की सुरक्षा में रह रहा है। मगर जब पाक पर दबाव बढ़ा तो वह इस सूचना से मुकर गया। यह सवाल तब भी उठा था कि पाकिस्तान पर अचानक ऐसा क्या संकट आया कि उसे अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को दुनिया के समक्ष कबूलना पड़ा। और इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला प्रश्न यह कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस कबूलनामे के तत्काल बाद पाकिस्तान अपनी बात से मुकर गया। यह कोई छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान दुनिया के उन चंद देशों में शीर्ष पर है जो आतंकवाद फैलाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। कहना न होगा कि आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति का अभिन्न हिस्सा है। इसीलिए वहां बड़ी संख्या में आतंकी संगठन काम कर रहे हैं। पाकिस्तान अपने यहां आतंकियों और उनके सरगनाओं को किस तरह से सुरक्षित पनाह मुहैया कराता है, यह दुनिया अच्छी तरह जानती है।

स्वदेशी का प्रतीक

खादी आंदोलन को पुनर्जीवित करने की कोशिशें

(लेखक--सच्चिदानंद शेकटकर)

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी को भी एक बड़ा अत्र बनाया था।उनने खादी को प्रोत्साहित करने के लिए विदेशी कपड़ों के बहिष्कार का देशव्यापी आंदोलन शुरू किया।इस आंदोलन का यह नतीजा हुआ कि देशभर में विदेशी कपड़ों की होली जलायी जाने लगी। स्वदेशी का प्रतीक खादी बनाने का धीरे धीरे चलन शुरू हुआ।स्वतंत्रता सेनानी खुद चरखा चलाने के लिए प्रेरित हुए।खादी से बने कपड़ों को पहनने की बड़े पैमाने पर शुरुआत भी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हुई। गांधी खुद की बनाई खादी के वत्र पहनने लगे। खादी और गांधी एक दूसरे के पूरक बन गये। धीरे धीरे देश में खादी पहनने का चलन बढ़ने लगा।खादी शहर के अलावा गांवों में भी पहुंचने लगी।एक दौर ऐसा भी आया जब खादी बनाने के साथ खादी की बिक्री के लिए खादी भंडार खुलने की शुरुआत भी हुई।देश के सभी बड़े शहरों में तेजी से खादी भंडार खुलने लगे ।लेकिन खादी भंडार की शहरों में संख्या एक दो से ज्यादा नहीं बढ़ी। खादी गांधी के साथ गांधी का नाम इस कदर जुड़ा कि प्राईमरी की पहली कक्षा की बालभारती में एक कविता पढाई जाने लगी ÷ मां खादी की चादर दे दे मैं गांधी बन जाऊं।÷ इस कविता के माध्यम से छोटे बच्चों को भी खादी का महत्व समझ में आने लगा। देश में स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के बाद नेताओं में खादी पहनने का चलन बढ़ा।स्वतंत्रता के बाद जब भारतियों की सत्ता आयी तो धीरे धीरे सत्ताधारी मंत्री , सांसद और विधायकों की बदनामी का दौर शुरू हुआ।खादी बदनाम होने लगी।खादी गाली भी बन गयी। गुस्से में कभी कभी आम लोग कह उठते ये साले खद्दरधारी नेता कुछ भी कर रहे हैं। बापू ने जिस खादी को कभी स्वतंत्रता आंदोलन और आत्मसम्मान का प्रतीक बना दिया था वह खादी स्वतंत्रता के बाद बदनामी का प्रतीक बन गयी,खादी गाली बन गयी । यहां तक कि खादी को घटिया उत्पादन माना जाने लगा। आजादी के बाद देश में तेजी से बढ़े कपड़ा उद्योग के मालिकों ने भी खादी के उत्पादन को बढ़ाने को प्राथमिकता नहीं दी।जिस स्तर पर खादी का उत्पादन होना था वह नहीं हुआ। खादी बनाने वाले ग्रामोद्योग और घरेलू लूम भी बंद होते गये। बुनकर बेरोजगार होते चले गये। कम मात्रा में खादी के कपड़े बनने से खादी के कपड़ों की कीमतें भी ज्यादा हो गयीं।सामान्य कपड़ो की तुलना में खादी के कपड़ों का रखरखाव भी मंहगा माना गया।इसलिए भी खादी कम प्रचलन में आ सकी। गांधी ने जिस खादी को स्वदेशी का प्रतीक बनाया था उस खादी के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में सरकारी स्तर पर भी कोशिशें नहीं की गयी। जबसे गांधी के राज्य गुजरात के नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं उनकी प्राथमिकताओं में खादी भी आयी है। मोदी बताते हैं कि उनके आठ वर्ष के शासन में खादी का उत्पादन चार गुना बढ़ा है। बापू के गुजरात में अब तो खादी का उत्पादन आठ गुना हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बापू के साबरमती के रिवरफ्रंट पर कुछ दिनों पूर्व ही अपनी मौजूदगी में एक बड़ा खादी उत्सव आयोजित किया।इस उत्सव में 7500 महिलाओं ने एक साथ चरखा चलाकर सूत कातने का कीर्तिमान भी बनाया ।मोदी ने खुद भी महिलाओं के साथ चरखा चलाया। यह उत्सव भारत सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किया। खादी उत्सव के मौके पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि खादी का धागा स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरणा का त्रोत बन गया और लोगों ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि खादी का धागा एकबार फिर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरणा का त्रोत बन सकता है। निश्चित ही प्रधानमंत्री की यह सोच उनके खादी के प्रति समर्पण को साबित करती है और यह विश्वास भी दिलाती है कि खादी का भविष्य उज्जवल है और खादी बड़ा मुकाम हासिल करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने और चांदी के दाम में तेजी आई

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के दाम में तेजी आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कारोबार की शुरूआत में सोने की कीमतें 0.39 फीसदी बढ़ी हैं। वहीं चांदी भी बढ़ी है। इससे शुरुआती कारोबार में इसमें 0.86 फीसदी की तेजी आई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 0.68 फीसदी बढ़ा है , इसके अलावा चांदी के भाव में भी तेजी आई है। सोना सुबह 198 रुपये बढ़कर 50,631 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। एक बार रेट 50,6855 रुपये हो गया। लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई और 50,631 रुपये रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करने लगा। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी की कीमतें भी बढ़ी हैं। चांदी की कीमत 461 रुपये बढ़कर 53851 रुपये किलो हो गयी है। चांदी में आज कारोबार की शुरूआत 53,980 रुपये से हुई थी। कुछ समय बाद ही दामों में 80 रुपये किलो की गिरावट आई और यह 53,851 रुपये प्रति किलो हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के दामों में तेजी देखी जा रही है। सोने का भाव 0.68 फीसदी ऊपर आकर 1719.72 डॉलर प्रति औंस हो गया है। इसी प्रकार आज चांदी का हाजिर भाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत हुआ है। आज चांदी 2.08 फीसदी की तेजी के साथ ही 18.33 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

रुपया 79.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया नीचे आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे नीचे आकर 79.80 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.80 पर खुला और कारोबार के दौरान यह 79.80 रुपये से 79.91 के दायरे में रहने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की कमी के साथ ही 79.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 109.64 पर पहुंच गया।

सहकारिता नीति दस्तावेज का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित की गई 47 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति दस्तावेज का प्रारूप तैयार करने के लिए एक राष्ट्रीय समिति के गठन किया है। 47 सदस्यीय इस समिति का अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु को बनाया गया है। सहकारिता मंत्रालय ने अपने एक बयान में बताया कि नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति सरकार की 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना को साकार करने के लिए बनाई जा रही है। समिति के गठन की घोषणा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की है। बयान में बताया गया है कि समिति में सहकारी क्षेत्र के विशेषज्ञ; राष्ट्रीय/राज्य/जिला व प्राथमिक सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सचिव (सहकारिता) और सहकारी समितियों के पंजीयक तथा केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के अधिकारी शामिल हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हाल ही में घोषणा की थी कि प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) से ऊपर की सहकारी संस्थाओं के लिए एक समग्र दृष्टिकोण बनाने के लिए जल्द ही राष्ट्रीय सहकारिता नीति तैयार की जाएगी। मंत्रालय ने कहा नई नीति देश में सहकारिता आंदोलन को और सशक्त बनाने में काफी मददगार साबित होगी। मौजूदा राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2002 में लागू की गई थी। भारत में लगभग 8.5 लाख सहकारी समितियां हैं जो करीब 29 करोड़ सदस्यों के साथ पूरे देशभर में फैली हैं। ये सहकारी समितियां कृषि प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्यपालन, बुनाई, ऋण और विपणन समेत विविध कार्यकलापों में सक्रिय हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही उपभोक्ता क्षेत्र और आईटी व बैंक शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 48.99 अंक करीब 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,196.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 10.20 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी टूटकर 17,655.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और नेस्ले के शेयर मुख्य रूप से नीचे आये। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड के उछले हैं। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में, रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है। वहीं यूरोपीय बाजारों में यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बंद था। बाजार जानकारों के अनुसार दुनिया भर के बाजारों में आये बदलावों से घरेलू बाजार पर भी दबाव आया जिससे ये नीचे आया है। सुबह भारतीय बाजार बढ़त के साथ खुला था पर समय के साथ ही इसमें गिरावट आने लगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.37 फीसदी नीचे आकर 93.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बुनकरों के इलाके में बाढ़ का कह, बनारसी साड़ी कारोबार ठप

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मूसलाधार बारिश के कहर के चलते बाढ़ के हालात बन गए हैं। यहां इसका सबसे भारी खमियाजा बनारसी साड़ियों के कारोबार को भुगतना पड़ रह है। पर्यटकों की आवाजाही कम होने के कारण बाजार में मंदी आने के साथ ही व्यापारियों की दोहरी मुश्किल ये हुई कि उन्हें बाहर से मिले साड़ियों के ऑर्डर भी कैंसिल करने पड़े। इस मार की मुख्य वजह है बुनकर के इलाकों में बाढ़ का कहर। बाढ़ से जूझने के चलते बुनकर ऑर्डर के सामान को तैयार ही नहीं कर पाए। सिर्फ बनारसी साड़ी ही नहीं बल्कि यहां के होटल व्यवसाय को भी बाढ़ ने बड़ी चोट दी है। बाढ़ के कारण गंगा किनारे और घाटों के पास बसी निचली बस्तियों में पानी घुस जाने से आफत खड़ी हुई तो इसका सबसे ज़्यादा असर कारोबार पर पड़ता दिख रहा है। यहां छोटे बड़े लॉज के अलावा होटल की बुकिंग भी 15 दिनों के लिए कैंसिल हो गई है। असल में बाबा विश्वनाथ धाम और कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद वाराणसी के पर्यटन उद्योग को पंख लग गए थे लेकिन बाढ़ ने व्यापारियों को बड़ा झटका दे दिया है। बनारसी साड़ी से जुड़े व्यवसायी और वस्त्र उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन बहल ने बताया कि आने वाले दिनों में नवरात्र का सीजन है, ऐसे में देश के तमाम राज्यों से साड़ियों के ऑर्डर मिले थे, लेकिन बाढ़ के कारण साड़ियां तैयार नहीं हो पाईं। नौबत यह है कि ऑर्डर कैंसिल करने पड़ रहे हैं, जिससे करीब 20 फीसदी तक का नुकसान साड़ी कारोबारियों को हो रहा है। वहीं, होटल इंड्रस्ट्री से जुड़े व्यवसायी राहुल मेहता ने बताया कि बाढ़ में गंगा किनारे के कई होटल और लॉज भी जलमग्न हो गए। इन हालात के चलते उन्हें बुकिंग कैंसिल करनी पड़ी। लगातार बुकिंग कैंसिल होने की वजह से करीब 15 दिनों का होटल कारोबार ठप हुआ है। आगे भी कुछ दिनों तक इसकी मार झेलनी पड़ेगी।

चौथे निवेश चक्र में 50 अरब डॉलर खर्च करेगी रिलायंस, आमदनी हो जाएगी दोगुनी : रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

देश की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को अपने चौथे निवेश चक्र के तहत अगले तीन वर्षों में 50 अरब डॉलर खर्च करने से अपनी आमदनी को दोगुना करने में मदद मिलेगी। मार्गन स्टेनली ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। मॉर्गन स्टेनली ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा है कि रिलायंस के इस सदी के चौथे निवेश चक्र में उसका लाभ 2027 तक दोगुना होने की संभावना है। हालांकि, कंपनी के पिछले निवेश चक्रों से यह कई मायनों में अलग होगा और इसमें ऊर्जा संबंधी गतिरोध भी आ सकते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगले तीन वर्षों में अपने रसायन, 5जी सेवा, खुदरा कारोबार और नवीन ऊर्जा कारोबार पर यह राशि खर्च करने की योजना बनाई है। नब्बे के दशक के अंत और नई सदी के शुरुआती वर्षों में रिलायंस ने अपने पहले निवेश चक्र में पेट्रोरसायन कारोबार पर खास ध्यान दिया था। इसके चार साल बाद शुरू हुए दूसरे निवेश चक्र में तेलशोधन और तेल एवं गैस क्षेत्रों के विकास पर जोर रहा। तीसरा निवेश चक्र पूरी तरह से दूरसंचार सेवा पर केंद्रित था। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के मुताबिक, ''पिछले निवेश चक्रों ने शेयरधारक मूल्य सृजन में 60-70 अरब डॉलर का योगदान दिया है क्योंकि इस दौरान कंपनी ने अपने आय स्वरूप को अगले दशक के लिए नया आकार देने के लिए आक्रामक कदम उठाए हैं।'' रिपोर्ट कहती है कि रिलायंस अगले निवेश चक्र के लिए बेहतर स्थिति में है जिसमें तीन वर्षों के भीतर 50 अरब डॉलर और वर्ष 2027 तक 75 अरब डॉलर खर्च करने का प्रावधान होगा। इस भारी निवेश का एक-तिहाई हिस्सा ऊर्जा एवं नवीन ऊर्जा कारोबार के पास जाएगा जबकि दूरसंचार और खुदरा कारोबार को बाकी राशि मिलेगी। हालांकि, खुदरा, दूरसंचार और नवीन ऊर्जा में निवेश पर अगले दो साल के भीतर अधिक जोर रहने की संभावना है। दूरसंचार में 5जी नेटवर्क खड़ा करने पर निवेश किया जाएगा, जबकि नवीन ऊर्जा कारोबार में निवेश मुख्य रूप से सौर पैनल पर होगा। खुदरा कारोबार में कंपनी का मजबूत लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने के अलावा ई-कॉमर्स गतिविधियां बढ़ाने पर जोर रहने की संभावना है।

ब्लू जेट हेल्थकेयर ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। फार्मा क्षेत्र के लिए कच्चा माल बनाने वाली कंपनी ब्लू जेट हेल्थकेयर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 2,100 करोड़ रुपए जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। कंपनी के प्रवर्तकों अक्षय बंसरीलाल अरोड़ा और शिवम अक्षय अरोड़ा 2,16,83,178 शेयरों की पेशकश करेंगे। मर्चेंट बैंकिंग के सूत्रों के मुताबिक, आईपीओ का आकार 1,800 करोड़ रुपए से 2,100 करोड़ रुपए के बीच होगा। कंपनी ने पिछले पांच दशक में 40 से अधिक उत्पादों के वाणिज्यिकरण के साथ 100 से अधिक उत्पादों का विकास किया है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी की परिचालन आय 37 प्रतिशत बढ़कर 683.47 करोड़ रुपए हो गई। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 498.93 करोड़ रुपये थी। इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ भी 34 प्रतिशत बढ़कर 181.59 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी ने 135.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

भारतीय मंत्री पीयूष गोयल ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशान्वित

सेन फ्रांसिस्को ।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल लिज ट्रस के ब्रिटेन की प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद काफी आशान्वित है उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत जल्द पूरी होगी। गोयल ने यहां को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, 'राजनीतिक स्तर पर बदलाव होने से इसमें (एफटीए को लेकर बातचीत पूरी होने में) कुछ हफ्तों का विलंब भले हो लेकिन लिज ट्रस के ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनने के साथ मुझे उम्मीद है कि जो वक्त ज़ाया गया है हम उसकी भरपाई कर लेंगे।' भारत के अधिकारी व्यापार समझौते पर बातचीत का समापन 31 अगस्त तक कर लेना चाहते थे लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक स्तर पर हुए परिवर्तनों से इसमें और देरी हो सकती है। इसी साल जनवरी में दोनों देशों ने द्विपक्षीय कारोबार और निवेश को बढ़ावा देने की खातिर मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत औपचारिक रूप से शुरू की थी। उस वक्त ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन थे और ट्रस विदेश मंत्री थीं। गोयल ने कहा, 'ब्रिटेन के साथ एफटीए की वार्ता आगे बढ़ चुकी है। मौजूदा व्यापार एवं निवेश मंत्री एनी मैरी के साथ हम नियमित संपर्क में हैं और हम भारत तथा ब्रिटेन के बीच अगले कुछ महीनों, संभवतः दीपावली तक समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं।' वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि भारत विश्व के आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बन गया है जो इस बात से जाहिर होता है कि विश्व के नेता और विकसित देश भारत में व्यापार और निवेश बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं और द्विपक्षीय समझौते करना चाहते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच 2021-22 में द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 17.5 अरब डॉलर हो गया जो 2020-21 में 13.2 अरब डॉलर था। 2021-22 में भारत से निर्यात 10.5 अरब डॉलर था जबकि आयात सात अरब डॉलर था।

एशियाई बाजारों में उछाल, अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों गिरे

टोक्यो । अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को उछाल आया है। वहीं अमेरिकी और यूरोपीय बाजार गिरे हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो आज अधिकतर शेयर बाजार आज सुबह बढ़त के साथ खुले और लाभ के साथ ही हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.29 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा जबकि जापान का निक्केई 0.44 फीसदी की तेजी पर है। इसके अलावा ताइवान का शेयर बाजार 0.83 फीसदी और दक्षिण कोरिया का 0.39 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा चीन के शंघाई कंपोजिट पर भी हल्की तेजी दिख रही है। दूसरी ओर अमेरिका में फेड रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल के ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने के संकेतों के बाद से ही बाजार में गिरावट का माहौल है। इस कारण निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है। इससे बिकवाली बढ़ रही है जिससे भी बाजार नीचे आ रहा है। वहीं नेस्डेक में भी 1.31 फीसदी की बड़ी गिरावट दिख रही थी। इसी प्रकार यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र में जबरदस्त गिरावट आई है। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज में गत सत्र में 2.22 फीसदी की बड़ी गिरावट रही। वहीं फ्रांस का शेयर बाजार भी 1.20 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

आवक बढ़ी तो कपास की कीमतों में आई गिरावट, एक हफ्ते में दाम 4 फीसदी गिरे, आगे क्या होगा?

नई दिल्ली ।

कॉटन यानि कपास की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, देश की मंडियों में कपास की आवक होने के साथ ही हाजिर बाजार में कपास की कीमतों में गिरावट आने लगी है। पिछले एक सप्ताह में कपास की कीमत करीब 4 फीसदी तक गिर गई है। भाव प्रति गांठ गिरकर 43,000 रुपये प्रति गांठ हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकवाली और देश में इस साल अच्छी फसल होने की संभावना से कपास के भाव दबाव में आया है। अगर विशेशज्ञों की माने तो कॉटन का ये रेट धीरे-धीरे गिरकर 40,000 रुपये प्रति गांठ तक आ सकता है। भारत में इस बार कपास का रकबा 7 फीसदी बढ़ा है। 2 सितंबर तक 125.70 लाख हेक्टेयर में इसकी बुआई हो चुकी है। पिछले साल की समान अवधि में 117.7 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई हुई थी। भारत के हाजिर बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में आईसीई कॉटन दिसंबर वायदा में भी बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है और भाव 9.6 फीसदी की गिरावट के साथ 103.21 सेंट प्रति पाउंड पर बंद हुआ है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ओरिगो कमोडिटीज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजीव यादव के मुताबिक चीन में लॉकडाउन और अमेरिका में मंदी की घबराहट से कमोडिटी मार्केट दबाव में है। यादव का कहना है कि अब कॉटन की वैश्विक सप्लाई में गिरावट आएगी। वहीं, दुनियाभर में संभावित मंदी से आगे मांग कम हो सकती है। हालांकि अमेरिका, ब्राजील और पाकिस्तान में कॉटन की फसल को भारी नुकसान हुआ है। अमेरिका में सूखे की वजह से 1 मिलियन मीट्रिक टन फसल कम रहने की संभावना है तो पाकिस्तान में बाढ़ की वजह से 0.5 मिलियन मीट्रिक टन कपास कम होने का अनुमान है। इससे लंबी अवधि में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉटन का आउटलुक पॉजिटिव रहेगा। देश के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों, खासकर उत्तर भारत में, कपास की आवक शुरू हो चुकी है। हरियाणा के पलवल जिले में 2022-23 सीजन के लिए कपास की आवक समय पूर्व शुरू हो चुकी है। हालांकि, अभी नई कपास की कुल दैनिक आवक 500 गांठ (170 किलोग्राम) से कम ही है। हरियाणा और राजस्थान में नई कपास का भाव लगभग 9,900-10,000 रुपये क्विंटल बोला जा रहा है। सितंबर 2022 के पहले हफ्ते से हरियाणा और पंजाब की मंडियों में आवक बढ़ने की उम्मीद है।

नया टोयोटा इनोवा क्रिस्टा लिमिटेड एडिशन दो ट्रिम्स में उपलब्ध होगा

-मॉडल 45 दिनों के अंदर कर दिया जाएगा डिलिवर

नई दिल्ली ।

नया टोयोटा इनोवा क्रिस्टा लिमिटेड एडिशन दो ट्रिम्स में उपलब्ध होगा।मैनुअल मॉडल के लिए 17.45 लाख रुपये और ऑटोमैटिक के लिए 19.02 लाख रुपये कीमत तय की गई है, दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं.टोयोटा ने इस सप्ताह की शुरुआत में डीजल इनोवा क्रिस्टा के लिए बुकिंग अस्थायी रूप से बंद कर दी थी और अब लिमिटेड एडिशन मॉडल के लॉन्च के साथ, डीलर्स को कोशिश है कि ग्राहक पेट्रोल मॉडल खरीदें। यह मॉडल 45 दिनों के अंदर डिलिवर कर दिया जाएगा।उन ग्राहकों के लिए जिन्होंने एमपीवी के डीजल मॉडल्स बुक किए हैं, टोयोटा ने आश्वासन दिया है कि उन्हें जल्द से जल्द डिलिवरी मिल जाएगी।हालांकि कंपनी ने इस बारे में कोई टाइमलाइन नहीं दी है।कंपनी इस साल नवंबर में इनोवा हाइक्रॉस का अनावरण करने के लिए तैयार है, जो एक हाइब्रिड एमपीवी होगी। इनोवा हाइक्रॉस क्रिस्टा के विपरीत एक मोनोकॉक प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसमें लैडर फ्रेम चेसिस का इस्तेमाल किया जाएगा।जब 2023 में यह मॉडल लॉन्च किया जाएगा तो इसे वर्तमान-जनरेशन इनोवा क्रिस्टा के साथ सेल किए जाने की संभावना है.टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस, हाल ही में अनावरण किए गए अर्बन क्रूजर हाइडर के समान, एक हाइब्रिड पावरट्रेन को सपोर्ट करेगी, लेकिन 3 सिलेंडर 1.5-लीटर इंजन का उपयोग करने के बजाय, कंपनी सबसे अधिक 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन की पेशकश करेगी।

आने वाली टोयोटा इनोवा हाइडर भी क्रिस्टा से लंबी होगी, जो बेहतर इंटीरियर रूम और अपडेटेड सेफ्टी फीचर्स पेश करेगी।मालूम हो कि टोयोटा ने हाल ही में घोषणा की थी कि कंपनी ने इनोवा क्रिस्टा डीजल के लिए अस्थायी रूप से ऑर्डर लेना बंद कर दिया है।अब कंपनी ने पेट्रोल जीएक्स ट्रिम के आधार पर एक लिमिटेड एडिशन मॉडल पेश किया है।

शियोमी अगले हफ्ते 3 नए स्मार्टफोन लाने की तैयारी में

-कंपनी 6 सितंबर को लांच करेगी ये स्मार्टफोन

नईदिल्ली ।

चाइनीज कंपनी शियोमी अगले हफ्ते 3 नए स्मार्टफोन लाने की तैयारी में है। शियोमी आगामी 6 सितंबर को रेडमी 11 प्राइम 5जी, रेडमी 11 प्राइम और रेडमी ए1 लॉन्च करेगी।फोन की लॉन्चिंग दोपहर 12 बजे शुरू होगी, और उससे पहले ही फोन के कुछ फीचर्स का पता चला गया है.रेडमी 11प्राइम के संभावित फीचर्स- ये फोन मीडियाटेक हेलियो जी99 एसओसी के साथ आ सकता है।

रेडमी 11प्राइम में 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया जा सकता है, और इसमें पावर के लिए 5,000 एमएएच की दमदार बैटरी भी दिए जाने की उम्मीद है।स्मार्टफोन के फ्रंट में वाटर-ड्रॉप स्टाइल नॉच भी दी गई है।फिलहाल फोन की कीमत को लेकर किसी तरह को कोई खुलासा नहीं हुआ है।फोन ऑफिशियल वेबसाइट के अलावा ई- कॉमर्स साइट अमेजान पर भी बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।इसके लिए एक माइक्रोसाइट भी लाइव हो गई है.फोन को लेकर ऑफिशियल वेबसाइट पर बताया गया है कि ये प्राइम डिज़ाइन के साथ आएगा।साथ ही इसको 5जी (प्राइम कनेक्टिविटी) दी जाएगी।

कंफर्म हो गया है कि फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 मिलेगा।इसके साथ ही एमआई.कॉम से ये भी मालूम हुआ है कि फोन में 50 मेगापिक्सल का कैमरा दिया जाएगा।पावर के लिए इस फोन में 5000एमएएच की बैटरी दी जाएगी।ये फोन कंपनी का एंट्री लेवल फोन होगा, जिसकी वजह से ये काफी बेसिक डिज़ाइन के साथ आ सकता है।फोन के फ्रंट में नॉच देखा जा सकता है।फोन के कलर को कंफर्म हुआ है कि ये ब्लैक, ग्रीन, और ब्लू कलर ऑप्शन के साथ पेश किया जाएगा।

बढ़े दूध के दाम लोगों ने अपनी खपत में कटौती करनी शुरू कर दी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी दूध विक्रेता कोऑपरेटिव सोसाइटी ने अपने अमूल ब्रांड की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की हैं, इसके तत्काल बाद मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतों में वृद्धि कर दिया। दाम बढ़ने का असर देश की एक तिहाई जनता पर हुआ, जिसने अपनी खपत में कटौती करनी शुरू कर दी है। सर्वे में सामने आया हैं, कि दूध के दाम बढ़ने के बाद हर तीन में से एक भारतीय ने या तो अपनी खपत घटा दी है अथवा दूसरे सस्ते विकल्पों की ओर मुड़ गए हैं। घरेलू उपयोगी वस्तुओं की कीमतें वैसे ही लगातार बढ़ रही हैं और पिछले महीने अमूल व मदर डेयरी ने अपने दूध के दाम भी बढ़ा दिए। इससे पहले मार्च में भी अमूल ने अपने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस तरह, देखा जाए, तब महज 5 महीने के भीतर ही दूध के दाम 4 रुपये लीटर बढ़ चुके हैं। देश के 311 जिलों के करीब 21 हजार लोगों के बीच कराए सर्वे में साफ हुआ हैं कि उपभोक्ता बढ़ती महंगाई से पार पाने के लिए अपनी खपत घटाने के साथ अन्य तरह के विकल्प आजमा रहे हैं। सर्वे में 68 फीसदी ने कहा, वे समान ब्रांड के दूध की सामान मात्रा खरीदने के लिए अब ज्यादा भुगतान कर रहे हैं। इसके बाद खपत घटाने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिख रहा। 6 फीसदी लोगों ने कहा, दाम बढ़ने के बाद अब हम सस्ते ब्रांड या लोकल दूध सप्लायर की ओर जा रहे हैं। 4 फीसदी लोगों ने सेम ब्रांड के अन्य सस्ते प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की बात कही। यानी अमूल का पहले फुल क्रीम दूध लेने वाला ग्राहक अब टोंड दूध से काम चला रहा है। पिछले माह दूध के दाम बढ़ाने के बाद अमूल ने बताया था कि दूध की इनपुट लागत में बढ़ोतरी हुई है और किसानों की लागत सालाना आधार पर 8-9 फीसदी बढ़ गई, जबकि मदर डेयरी ने भी अपने दूध उत्पादन की लागत 10-11 फीसदी बढ़ने का तर्क दिया है। कंपनी ने कहा, पिछले पांच महीने के भीतर ही दूध की उत्पादन लागत में दहाई अंकों का इजाफा हो गया है।

Sports

विराट के आरोपों से हैरान बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस बयान से हैरान है जिसमें उन्होंने कहा था कि कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें केवल महेन्द्र सिंह धोनी का ही संदेश मिला था। अब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोहली को सभी का समर्थन मिला था। अब उन्होंने इस प्रकार की बातें क्यों कही हैं यह हमें समझ नहीं आ रहा। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, 'विराट को सभी से समर्थन मिला है। बीसीसीआई से लेकर साथी खिलाड़ियों ने उन्हें सहयोग दिया है। इस अधिकारी ने कहा कि उन्हें समर्थन नहीं मिलने की बात गलत है। जब भी उन्होंने आराम मांगा उन्हें दिया गया। जब उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी, तब बीसीसीआई के अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी थीं। इसलिए मैं नहीं जानता हूं कि वह किस बारे में और क्यों ऐसा बोल रहे हैं।' इस अधिकारी ने कहा, 'कोहली के साथ बोर्ड के कोई मतभेद नहीं हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए जो योगदान दिया है, उसके लिए सभी उनका सम्मान करते हैं। तीनों प्रारुपों में वह बेहतरीन और अहम खिलाड़ी हैं।

सुरेश रैना ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने मंगलवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की जिससे वह विदेशों में होने वाली टी20 लीग में खेलने के लिए योग्य हो गए हैं। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 अगस्त 2020 को महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने की घोषणा करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। रैना ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 2021 में खेलना जारी रखा था लेकिन 2022 के सत्र से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें अपनी टीम में नहीं रखा था। रैना ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड, उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ और चेन्नई सुपर किंग्स का आभार व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, 'अपने देश और राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। भारत या घरेलू स्तर पर सक्रिय खिलाड़ी विदेशी लीग में भाग नहीं ले सकते हैं और ऐसे में रैना के लिए विश्वभर की टी20 लीग में खेलने के लिए संन्यास लेना जरूरी था। उन्हें अगले साल दक्षिण अफ्रीका की नई टी20 लीग में खेलते हुए देखा जा सकता है। इस लीग की सभी छह टीमों का स्वामित्व आईपीएल के मालिकों के पास है। रैना ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2021 में चेन्नई की तरफ से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अबू धाबी में खेला था। भारत की तरफ से रैना ने 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। वह 2011 में विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे।

US Open : प्लिस्कोवा और सबालेंका क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

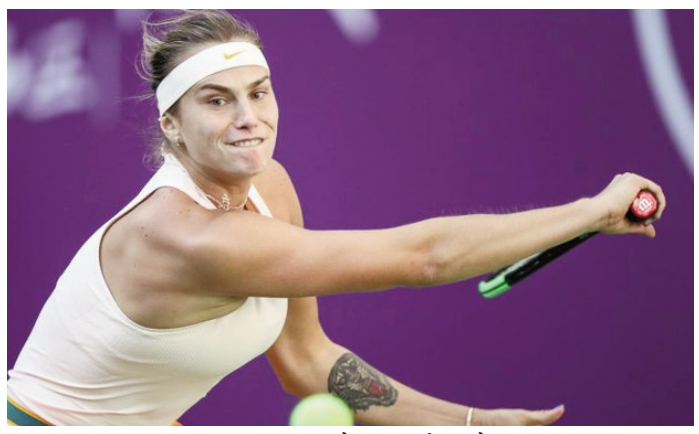

न्यूयार्क।

चेक गणराज्य की 22वीं वरीयता प्राप्त सीड कैरोलीना प्लिस्कोवा ने यूएस ओपन के चौथे दौर में 26वीं वरीयता प्राप्त सीड विक्टोरिया अज़ारेंका को मात देकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यूएस ओपन 2016 के फाइनल में एंजलीक केर्बर से हारने वाली प्लिस्कोवा ने सोमवार को तीन बार की फाइनलिस्ट अज़ारेंका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराया। दोनों दिग्गज 2019 के बाद पहली बार एक-दूसरे से मुकाबला कर रही थीं। प्लिस्कोवा मुकाबलों में अज़ारेंका से 5-4 से आगे हैं। तीस वर्षीय प्लिस्कोवा क्वार्टरफाइनल का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त खिलाडी एरीना सबालेंका से होगा। जो सेट में वापसी करके अमेरिका की डेनिएल कॉलिन्स को 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।

अमेरिकी ओपन में किर्गियोस ने मेदवेदेव को हराया

न्यूयॉर्क । अमेरिकी ओपन टेनिस में रुस के डेनिल मेदवेदेव हार के साथ ही बाजार हो गये हैं। विश्व के नंबर एक वरीयात प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने चौथे दौर में 7-6 (11), 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर सनसनी फैला दी। किर्गियोस का मुकाबला अब सेमीफाइनल में केरन खचानोव से होगा। किर्गियोस ने मेदवेदेव के खिलाफ 3-1 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने करीब तीन घंटे तक चले मुकाबले में मेदवेदेव पर चौथी जीत हासिल की। अब इस हार से मेदवेदेव की नंबर एक एटीपी रैंकिंग भी खिसक जाएगी। अब स्पेन के रफल नडाल , कार्लोस अल्कराज या नार्वे के कैस्पर रूड में से कोई एक नंबर-एक बन सकता है।

पायस-यशस्विनी की जोड़ी ने एशियाई जूनियर टेबल टेनिस में स्वर्ण जीता

नयी दिल्ली,

पायस जैन और यशस्विनी घोरपड़े ने चीन की हान शिनयुआन और किन युसुआन की चीनी जोड़ी को 3-2 से हराकर लाओस में एशियाई जूनियर और कैडेट चैंपियनशिप के मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीत कर अपने अभियान का अंत किया। भारतीय जोड़ी ने 11-9, 11-1, 10-12, 7-11, 11-8 से जीत दर्ज की। यह एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय जूनियर खिलाड़ियों का पहला स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते। यह पदक उसने लड़कों के अंडर-19 युगल, लड़कियों के अंडर-19 एकल और लड़कों की अंडर-19 टीम स्पर्धा में जीते। इस तरह से भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने चार पदक हासिल किए। पायस और यशस्विनी की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके पहले दोनों गेम जीते लेकिन चीनी जोड़ी ने भी इसके बाद अच्छी वापसी की और अगले दोनों गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक खींच दिया जिसमें भारतीयों ने दमदार प्रदर्शन किया। कर्नाटक की शीर्ष वरीयता प्राप्त यशस्विनी ने लड़कियों के अंडर-19 एकल में क्वार्टर फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल में वह चीन की चेन यी से सीधे गेम में 13-11, 11-9, 11-4, 11-3 से हार गई। पायस ने भी दिल्ली के अपने साथी यशांश मलिक के साथ मिलकर क्वार्टर फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अपनी इस लय को वे सेमीफाइनल में बरकरार नहीं रख पाए और लड़कों के अंडर-19 युगल में जापान के युता लिमुरा और यूही सकाई से 11-8, 11-7, 12-14, 11-6 से हार गए। इस तरह से उन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

मास्टरकार्ड अब भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक होगा

मुम्बई । मास्टरकार्ड अब भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने देश में होने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू टूर्नामेंट के लिए मास्टरकार्ड को पेटीएम की जगह नया खिताबी प्रयोजक बनाया है। इससे पहले पेटीएम ने प्रायोजन अधिकारों के हस्तांतरण को लेकर बीसीसीआई पदाधिकारियों के साथ बात की थी, जिसके बाद से ही प्रायोजक में बदलाव होना तय नजर आ रहा था। बीसीसीआई के अनुसार, अब मास्टरकार्ड पुरुषों के अलावा महिला क्रिकेट मुकाबले के लिए स्वदेश में होने वाले सभी मैचों का प्रयोजक होगा। बीसीसीआई द्वारा आयोजित ईरानी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे घरेलू क्रिकेट मैचों के साथ-साथ देश में होने वाले सभी जूनियर क्रिकेट (अंडर-19 और अंडर-23) मुकाबलों के लिए भी मास्कटारकार्ड ही खिताबी प्रायोजक होगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय सीरीज के अलावा बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट भी महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि वे भारत को एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीम बनाने की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। इसलिए घरेलू मुकाबलों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

तेजी से बदल रहा है क्रिकेट परिदृश्य, संतुलन बनाने की जरूरत: विलियमसन

केयर्न्स । न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का मानना है कि कई टी20 आने से विश्व भर में क्रिकेट का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है तथा फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। विलियमसन का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि दुनियाभर के क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वजह टी20 लीग में खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह मुश्किल स्थिति है क्योंकि सब कुछ बदल रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे सब कुछ बहुत तेजी से हो रहा है।' विलियमसन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि यह खेल के परिदृश्य को लेकर एक आंदोलन है। हर मामला पूरी तरह से भिन्न है और प्रत्येक मामले की अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताएं हैं।' उन्होंने कहा, 'फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कई अलग तरह के आयोजन हो रहे हैं और खिलाड़ी अपने करियर को लेकर फैसला कर रहे हैं। इसे देखकर लगता है संतुलन बनाना जरूरी है।' हाल में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट अपने केंद्रीय अनुबंध से हट गए थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और विश्व भर में टी20 क्रिकेट खेलने को लेकर ऐसा फैसला किया। इसके तुरंत बाद बोल्ट को बिग बैश लीग (बीबीएल) की फ्रेंचाइजी मेलबर्न स्टार्स ने अपनी टीम से जोड़ दिया था। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया और उन्हें भी बीबीएल फ्रेंचाइजी एडिलेड स्ट्राइकर्स ने अपनी टीम मैं ले लिया।

भारतीय बैडमिंटन संघ पदक ने पदक विजेताओं के लिए घोषित किये पुरस्कार

लक्ष्य और सिंधु को 20-20 लाख रुपये मिलेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने राष्ट्रमण्डल खेलों के साथ ही विश्व चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीएआई ने विजेता खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कारों की घोषणा की है। महासंघ के अध्यक्ष हिमंता विश्व सरमा ने पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए कहा, ''हमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है और यह नकद पुरस्कार पिछले दो वर्षों में उनकी शानदार उपलब्धियों को सम्मान देने का छोटा सा प्रयास भर है।'' राष्ट्रमण्डल खेलों के पुरुष और महिला एकल में स्वर्ण विजेता लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु को 20-20 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को स्वर्ण जीतने के लिए 25 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। लक्ष्य को विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीतने के लिए भी पांच लाख रुपए दिये जाएंगे। वहीं गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की युवा महिला युगल जोड़ी को कांस्य पदक जीतने पर 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को भी बर्मिंघम में अपने पुरुष एकल कांस्य पदक के लिए पांच लाख रुपये जबकि स्पेन के ह्यूएलवा में 2021 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक के लिए 10 लाख रुपये मिलेंगे जबकि चिराग और सात्विक को पिछले महीने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के लिए 7.5 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। वहीं राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता 10 सदस्यीय मिश्रित टीम को कुल 30 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस प्रकार हर खिलाड़ी को तीन लाख रुपये मिलेंगे जबकि सहयोगी स्टाफ के आठ सदस्यों में से प्रत्येक को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

इस बार पाक टीम जीत सकती है खिताब : सहवाग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के अनुसर इस बार पाक टीम खिताब पर कब्जा कर सकती है। सहवाग के अनुसार अब भारतीय टीम एक मैच भी हारी तो वह दौड़ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में पाक सबसे प्रबल दावेदार बन जाएगी। पाक की सुपर-फोर में भारतीय टीम पर जीत के बाद से ही उसकी दावेदार सबसे प्रबल नजर आ रही है। सहवाग ने कहा है कि 'अगर भारतीय टीम अब एक भी मैच हारी तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। वहीं पाक अगर एक मैच हारती और एक जीतती है तो भी वह अच्छे रन रेट के कारण फाइनल में पहुंच जाएगी। इसका कारण है कि वह एक ही मैच हारी है जबकि उसने दो मुकाबले जीते है। वहीं भारतीय टीम एक मैच हारी है और दूसरा हारी तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में दबाव भारतीय टीम पर है। पाक टीम काफी समय बाद फाइनल में खेल सकती है।' पाक टीम पिछली बार साल 2014 में फाइनल में पहुंची थी। साल 2014 में पाक और श्रीलंका की टीम एशिया कप के फाइनल में थी पर तब श्रीलंका ने उस मैच में जीत दर्ज कर खिताब जीता था।

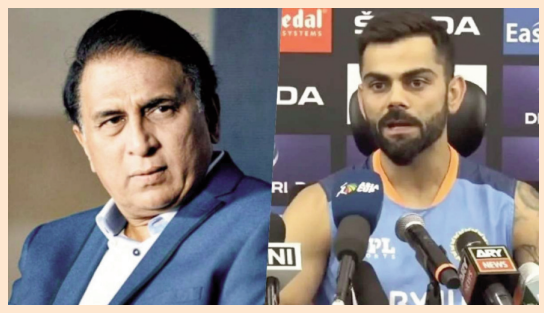

विराट बतायें किस खिलाड़ी का संदेश चाहते थे : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि विराट कोहली को उस खिलाड़ी का नाम सार्वजनिक करना चाहिये जिससे वह संदेश का इंतजार कर रहे थे। विराट ने इससे पहले कहा था कि जब उन्होंने कप्तानी छोड़ी थी तो पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा किसी भी अन्य खिलाड़ी ने उन्हें कोई संदेश नहीं भेजा था। इसपर अब गावस्कर ने सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें उस खिलाड़ी का नाम बताना चाहिए जिससे वह टेस्ट कप्तानी छोडने के बाद फोन करने की उम्मीद कर रहे थे। गावस्कर ने कहा, यह कहना बहुत कठिन है कि विराट किसका जिक्र कर रहे हैं? अगर उन्होंने कोई नाम लिया होता तो आप उस व्यक्ति से पूछ सकते हैं कि आपने उससे संपर्क किसलिए नहीं किया। मैंने जो सुना है वह यह है कि वह केवल यह कह रहा है कि टेस्ट कप्तानी छोडने के बाद केवल धोनी ने उन्हें फोन किया। उन्होंने कहा , अगर वह पूर्व खिलाडियों के बारे में बात कर रहा है जो उसके साथ खेले हैं तो उसे उस खिलाड़ी का नाम बताना चाहिए जिसका वह जिक्र कर रहा है। इसके बाद उसे खिलाड़ी से पूछना चाहिये कि उसने संदेश क्यों नहीं भेजा। गावस्कर ने साथ ही कहा कि विराट कोई संदेश चाहते थे या प्रोत्साहन। अगर उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी तो उसे प्रोत्साहन की जरुरत क्या पड़ गयी थी। गावस्कर ने कहा कि जब उन्होंने आस्ट्रेलिया में बेन्सन एंड हेजेस विश्व क्रिकेट चैंपियनशिप जीतने के बाद कप्तानी छोड़ी तो उनके लिए भी कोई विशेष संदेश या फोन नहीं आया था। तब हमने केवल जश्न मनाया था।

फ्रांसेस टियाफो ने नडाल के विजय अभियान पर लगाई रोक

न्यूयार्क :

फ्रांसेस टियाफो ने राफेल नडाल का ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में पिछले 22 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान थाम कर पहली बार अमरीकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टियाफो ने आर्थर ऐस स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में नडाल को 6-4, 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत से अभिभूत टियाफो ने कहा, 'मुझे ऐसा लग रहा था जैसे दुनिया थम गई है। एक मिनट के लिए मैंने कुछ नहीं सुना।' टियाफो अभी 24 वर्ष के हैं और उन्हें अमरीकी ओपन में 22वीं वरीयता दी गई है। वह एंडी रोडिक (2006) के बाद इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमरीकी खिलाड़ी हैं। टियाफो का सामना अब आंद्रे रुबलेव से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त कैमरन नोरी को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। नडाल ने इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और जून में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी लेकिन पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह टूर्नामेंट से हट गए थे। अमरीकी ओपन में चार बार के चैंपियन नडाल इसके बाद केवल एक टूर्नामेंट में खेल पाए थे।

एकदिवसीय क्रिकेट की लोक्रपियता घट रही : मैकग्रा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा है कि टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट उनके लिए सबसे ऊपर है। मैकग्रा ने कहा कि टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय क्रिकेट की लोकप्रियता भी कम हो रही है जिससे बनाये रखना क्रिकेट अधिकारियों की जिम्मेदारी है। मैकग्रा के अनुसार क्रिकेटर की असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट में ही होती है। मैकग्रा ने कहा, 'मैं परंपरा में विश्वास रखने वाला व्यक्ति हूं और मुझे टेस्ट क्रिकेट और एकदिवसीय क्रिकेट से प्यार रहा है। टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सबसे अहम है। मैं उम्मीद करता हूं हम इसका सम्मान करेंगे। जहां तक एकदिवसीय क्रिकेट का सवाल है, यह तब तक रोमांचक रहता है जब तक लोग रन बनाते हैं। एकदिवसीय का भविष्य कैसा होगा यह समय आने पर पता चलेगा। इसे रोमांचक रखना एक हमारे लिए चुनौतीपूर्ण बात है।' मैकग्रा का मानना है कि अगर किसी एक प्रारूप में खेलना हो तो आजकल के युवा क्रिकेटर एकदिवसीय क्रिकेट की जगह टी20 क्रिकेट ही खेलना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप देखें तो कुछ समय से कई देश एकदिवसीय और टी20 में अलग टीमें रखने लगी हैं। टी20 क्रिकेट में पैसा भी अधिक है। इसलिए भविष्य में अधिकतर युवा खिलाड़ी टी20 क्रिकेट ही खेलना पसंद करेंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

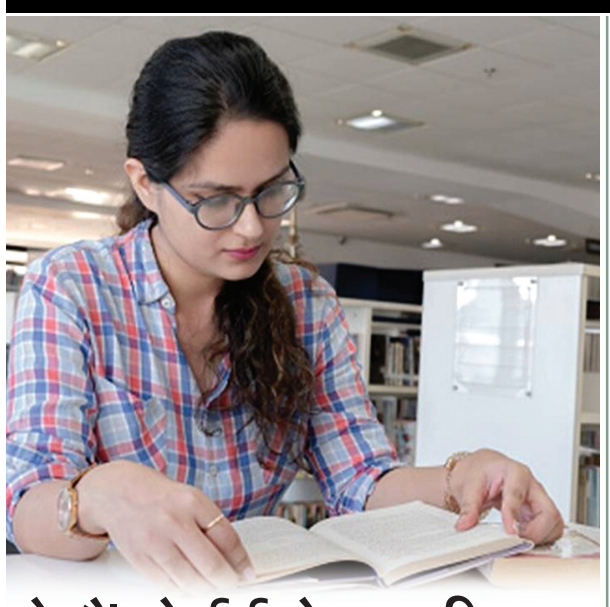

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

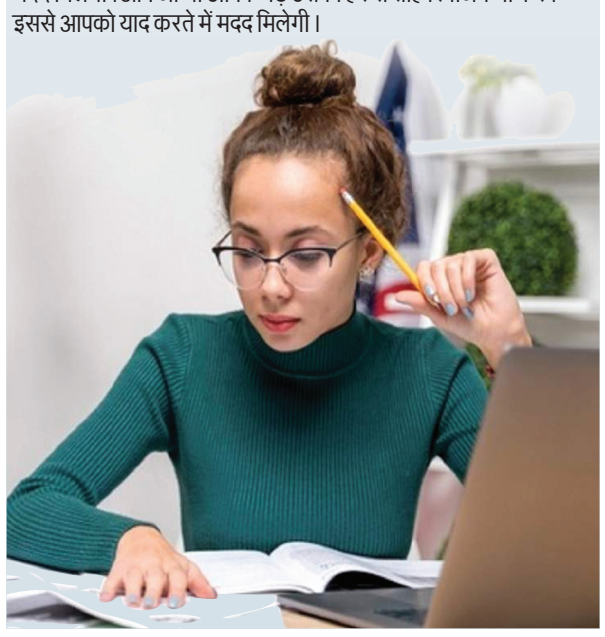

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत : हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

कनाडा में चाकू घोंपने की घटना के संदिग्ध की पुलिस कर रही है तलाश

रेजिना (कनाडा)। कनाडा के सस्कैचेवान प्रांत में एक स्थानीय जातीय समुदाय और पास के एक अन्य शहर में चाकूबाजी कर 10 लोगों की हत्या को अंजाम देने वाले संदिग्धों की पुलिस समूचे प्रांत में तलाश कर रही है। संदिग्धों की चाकूबाजी में 15 लोगों के घायल होने की भी खबर है। जिसके चलते 'जेम्स स्मिथ क्री नेशन' को राज्य में आपात स्थिति की घोषणा करनी पड़ी है। इस घटना ने निकटवर्ती वेल्डन गांव के लोग दहशत में हैं। वेल्डन की निवासी रूबी वर्क्स ने कहा, ''शहर में अब कोई चैन से नहीं सो पाएगा। अब लोग अपने-अपने घरों के दरवाजे खोलने से डरेंगे।'' पुलिस ने हालांकि कहा कि जिस वाहन में दोनों संदिग्धों के होने की संभावना है उसे रेजिना में देखा गया है। जिस जगह यह घटना हुई है और जहां समुदाय के लोग निवास करते हैं वह रेजिना से करीब 335 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। रेजिना पुलिस प्रमुख इवान ब्रे ने कहा कि उनका अब भी मानना है कि संदिग्ध रेजिना में ही हैं। आरसीएमपी ने ट्विटर पर एक संदेश में कहा, ''अगर आप रेजिना क्षेत्र में हैं तो सावधानी बरतें और किसी जगह आश्रय लेने पर विचार करें। सुरक्षित स्थान नहीं छोड़ें, संदिग्ध व्यक्तियों के पास नहीं जाएं, किसी अनजान को अपने पास नहीं बुलाएं तथा संदिग्ध व्यक्तियों, आपात स्थितियों की सूचना पुलिस को दें।'' संदिग्धों की पहचान 31 वर्षीय डेमियन सैंडरसन और 30 वर्षीय माइल्स सैंडरसन के रूप में की गई है। आरसीएमपी सस्कैचेवान की सहायक आयुक्त रोंडा ब्लैकमोर ने कहा कि कुछ लोगों को संदिग्धों ने निशाना बनाया था, लेकिन अन्य लोगों पर अनायास हमला किया गया था। अधिकारी ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि हमले क्यों किए गए। हालांकि, 'फेडरेशन ऑफ सॉवरेन इंडीजिनस नेशंस' के प्रमुख ने बयान जारी कर आशंका जताई कि चाकूबाजी की इन घटनाओं का संबंध मादक पदार्थ से हो सकता है। तीन समुदायों 'जेम्स स्मिथ क्री नेशन', 'चाकस्तायपासिन बैंड' और 'पीटर चैपमैन बैंड' के निर्वाचित नेताओं ने स्थानीय आपातकाल की घोषणा की और दो आपातकालीन संचालन केंद्र खोले। चाकस्तायपासिन के प्रमुख केल्विन सैंडरसन - जो संदिग्धों से संबंधित नहीं हैं - ने कहा कि हर कोई दुखद घटनाओं से प्रभावित हुआ है। सैंडरसन ने कहा, ''वे हमारे रिश्तेदार, दोस्त थे। यह बहुत भयानक है।'' 'फेडरेशन ऑफ सॉवरेन इंडीजिनस नेशंस' के प्रमुख बॉबी कैमरन ने कहा, ''यह विनाश है जिसका हम सामना कर रहे हैं। हानिकारक अवैध मादक पदार्थ हमारे समुदायों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और सभी अधिकारियों को सलाह है कि वे अपने प्रमुखों और परिषदों एवं उनके सदस्यों से निर्देश लें ताकि हमारे लोगों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ समुदायों का निर्माण किया जा सके।

जिम्बाब्वे में खसरे के प्रकोप से अब तक 700 बच्चों की हुई मौत

हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे में खसरे के प्रकोप से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़ कर लगभग 700 हो गई है। यह जानकारी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। कुछ लोग ऐसे देश में टीकाकरण को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे हैं जहां 1.5 करोड़ की आबादी पर आधुनिक चिकित्सा विरोधी धार्मिक संप्रदायों का प्रभाव है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सप्ताहांत में घोषणा की थी कि अप्रैल में खसरे का प्रकोप शुरू होने के बाद से रोग से 698 बच्चों की मौत हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 37 मौतें एक सितंबर को एक ही दिन में हुईं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने चार सितंबर तक 6,291 मामले दर्ज किए हैं। नवीनतम आंकड़े लगभग दो सप्ताह पहले घोषित मृतक संख्या से चार गुना से अधिक हैं, जब मंत्रालय ने कहा था कि 157 बच्चों ने बीमारी के कारण दम तोड़ दिया। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से अधिकांश बच्चों को उनके परिवार की धार्मिक मान्यताओं के कारण टीके नहीं लगाये गये थे। मेडिकल एंड डेंटल प्राइवेट प्रैक्टिशनर्स आफ जिम्बाब्वे एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जोहान्स मारिसा ने सोमवार को बताया कि सरकार को बड़े पैमाने पर चल रहे टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए और विशेष रूप से टीकाकरण विरोधी धार्मिक समूहों को लक्षित करते हुए जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने चाहिए। मारिसा ने कहा, ''सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए दंडात्मक उपायों पर भी विचार करना चाहिए कि किसी को भी अपने बच्चों का टीकाकरण कराने से इनकार करने की अनुमति नहीं हो।'' उन्होंने सरकार से ''खसरा जैसी जानलेवा बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण को अनिवार्य बनाने वाले कानून बनाने पर विचार करने'' का आग्रह भी किया। यूनिसेफ ने सोमवार को कहा कि वह खसरे के कारण बच्चों की मौतों की संख्या से ''बहुत चिंतित'' है। एजेंसी ने कहा कि वह टीकाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से इस रोग के प्रकोप से निपटने में सरकार की सहायता कर रही है। खसरे का प्रकोप पहली बार अप्रैल की शुरुआत में पूर्वी मानिकलैंड प्रांत में सामने आया था और तब से यह देश के सभी हिस्सों में फैल गया है। सूचना मंत्री मोनिका मुत्सवांगवा ने अगस्त में कहा था कि ऐसे कई बच्चों की मौत हुई है जिन्हें टीका नहीं लगाया गया था। जिम्बाब्वे के मंत्रिमंडल ने रोग के प्रकोप से निपटने के लिए आपदाओं से निपटने में इस्तेमाल किया जाने वाला कानून लागू किया है। सरकार ने 6 महीने से 15 साल की उम्र के बच्चों के लिए एक व्यापक टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

चीन के सिचुआन प्रांत में 6.8 तीव्रता का भूकंप जिसमें हुई 21 लोगों की मौत

बीजिंग,। चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत की लुडिंग काउंटी में सोमवार को 6.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी। यह प्रांत पहले ही कोविड-19 के बढ़ते मामलों और अभूतपूर्व सूखे की समस्या से जूझ रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर आया और भूकंप का केंद्र 29.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 102.08 डिग्री पूर्वी देशांतर पर, जमीन से 16 किलोमीटर की गहरायी में स्थित था। भूकंप का केंद्र लुडिंग काउंटी से 39 किलोमीटर दूर स्थित था और भूकंप के केंद्र के पांच किलोमीटर के दायरे में कई गांव आते हैं। भूकंप के झटके सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदु में भी महसूस किए गए, जो भूकंप के केंद्र से 226 किलोमीटर दूर स्थित है। चीन के सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में चेंगदु में इमारतों को हिलते हुए देखा जा सकता है। अभी किसी इमारत को नुकसान पहुंचने की जानकारी नहीं है। सिचुआन प्रांत तिब्बत के पड़ोस में स्थित है और भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इस प्रांत में 2008 में 8.2 की तीव्रता वाला विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें करीब 69,000 लोगों की मौत हो गयी थी। प्रांत में 2013 में सात की तीव्रता के भूकंप में 200 लोगों की जान चली गयी थी। चेंगदु में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण लॉकडाउन लगा हुआ है। निवासियों को घरों में रहने के लिए कहा गया है और हर घर से केवल एक व्यक्ति कोप्रतिदिन आवश्यक सामान खरीदने के लिए बाहर निकलने की अनुमति है।

सेना के खिलाफ बयानबाजी को लेकर अदालत ने इमरान खान को लगाई फटकार

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सेना के खिलाफ बयानबाजी को लेकर सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को फटकार लगाई और कहा कि देश में जारी 'सत्ता की होड़' के लिए सब कुछ दांव पर नहीं लगाया जा सकता। अदालत ने आगाह किया कि खान की बयानबाजी के कारण उनके अभिव्यक्ति के अधिकार को संविधान के तहत बरकार रखना संभव नहीं हो पाएगा। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनल्लाह ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के भाषणों के लाइव प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने के पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति मिनल्लाह रविवार को एक सार्वजनिक रैली में खान की टिप्पणी से नाराज थे, जिसके लिए सरकार पहले ही उनकी आलोचना कर चुकी है। सेना ने भी टिप्पणी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे स्तब्धकारी करार दिया था। खान नेरविवार को फैसलाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि सरकार अपनी पसंद का सेना प्रमुख नियुक्त करने के लिए चुनाव में देरी कर रही है। उन्होंने कहा था, '(आसिफ अली) जरदारी और नवाज (शरीफ) अपनी पसंद का अगला सेना प्रमुख नियुक्त करना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने जनता का पैसा चोरी किया है।' खान ने कहा था, 'उन्हें डर है कि जब देशभक्त सेना प्रमुख आएगा, तो वह उनसे उनके द्वारा की गई लूट के बारे में पूछेगा।' 'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने फैसलाबाद की रैली में की गईं खान की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए पूछा, 'आप सार्वजनिक रूप से कैसे कह सकते हैं कि कोई सेना प्रमुख देशभक्त है या नहीं?' न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि सशस्त्र बल के जवान शहीद हो रहे हैं और आप (इमरान खान) उनका मनोबल गिरा रहे हैं। उन्होंने 'पीटीआई' के वकील से यह भी पूछा कि (उनकी पार्टी) संवैधानिक संस्थानों को नुकसान क्यों पहुंचा रही है। उन्होंने कहा, 'आप अपने बयानों से केवल परेशानियों को बढ़ा रहे हैं।' न्यायाधीश ने कहा कि हालिया बयान संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के तहत भी नहीं आता। उन्होंने कहा, 'इस तरह के बयान देकर आप प्रतिबंध से कैसे बच सकते हैं।' न्यायाधीश ने कहा, 'क्या हम सत्ता की होड़ के लिए सब कुछ दांव पर लगा सकते हैं?' उन्होंने कहा कि जो चीजें चल रही हैं, उनके कारण अदालत सेराहत देने की कोई उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा नवंबर के अंतिम सप्ताह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। वह छह साल से इस पद पर हैं।

दोहा में कटारा हंटिंग व फालकल प्रदर्शनी में भाग लेती हुई कंपनियां।

चीन ने 6.5 करोड़ लोगों पर लगाई लॉकडाउन की पाबंदी

बीजिंग, । चीन ने अपने साढ़े छह करोड़ नागरिकों को सख्त कोविड-19 प्रतिबंधों के तहत लॉकडाउन में रखा है और देश में आगामी राष्ट्रीय अवकाशों के दौरान घरेलू यात्रा को हतोत्साहित किया जा रहा है। चीनी कारोबारी पत्रिका 'काइशिन' द्वारा रविवार देर रात प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक देश की सात प्रांतीय राजधानियों समेत 33 शहर पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन के दायरे में हैं जिससे यहां रहने वाले साढ़े छह करोड़ लोग प्रभावित हैं। पत्रिका ने कहा कि 103 शहरों में संक्रमण देखा गया है और यह 2020 में महामारी के शुरुआती दिनों के बाद से सर्वाधिक संख्या है। संक्रमण के अपेक्षाकृत कम मामलों के बावजूद अधिकारी ÷शून्य कोविड÷ की नीति का पालन कर रहे हैं जिसमें लॉकडाउन, पृथकवास और किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने पर संदिग्धों को घरों में रखने की बात कही गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक 1.4 अरब की आबादी वाले चीन में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,552 नए मरीज सामने आए। दक्षिणपश्चिमी चेंगदू शहर की लगभग 2.1 करोड़ आबादी में अधिकर लोग अपने फ्लैट या रिहाइशी परिसरों में सिमटे हैं, जबकि पूर्वी बंदरगाह शहर तियानजिन मेंकोविड-19 के 14 मामले सामने आने के बाद अब ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। चेंगदू के क्विंगलाई और शिनजिन जिलों में करीब 10 लाख लोगों को लॉकडाउन के दायरे से बाहर किया गया है। बुधवार को तीन और दौर का व्यापक परीक्षण किया जाएगा। सभी स्कूल बंद हैं और कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन हो रहा है।

बकिंघम पैलेस की बजाय स्कॉटलैंड से क्यों हुआ नए पीएम का ऐलान,

-लिज ट्रस ने क्वीन एलिजाबेथ की मौजूदगी में ली शपथ

लंदन। (एजेंसी)।

कंज़र्वेटिव पार्टी की नेता लिज ट्रस ने क्वीन एलिजाबेथ की मौजूदगी में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने औपचारिक रूप से उन्हें एक नई सरकार बनाने के लिए कहा गया। जिसके बाद लिज़ ट्रस ने आज दोपहर स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में पदभार ग्रहण किया। महारानी के 70 साल के शासनकाल में यह पहली बार था कि सत्ता का हस्तांतरण लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय बाल्मोरल में हुआ। गर्मियों के इस मौसम में 96 वर्षीय क्वीन एलिजावेथ स्कॉटलैंड के वलमॉरल कासल में हैं। इसलिए परंपरा से अलग इस बार स्कॉटलैंड से ही नए पीएम का ऐलान हुआ।

नई सरकार कब से?

शाही कार्यक्रमों का आधिकारिक रिकॉर्ड रखने वाला कोर्ट सर्कुलर ने नए पीएम की नियुक्ति की जानकारी दी। अब नई पीएम लंदन लौटेंगी। इसके बाद 47 वर्षीय ट्रस लंदन स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचकर प्रधानमंत्री के रूप में अपना पहला भाषण देंगी और इसके बाद कुछ प्रमुख कैबिनेट मंत्रियों के नाम की घोषणा

करेंगी। 7 सितंबर को नए कैबिनेट की ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स के चैंबर में बैठक होगी। उसी दिन शाम के 4:30 बजे नए पीएम का विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर से आमना सामना होगा।

कैसा होगा नया कैबिनेट

ब्रिटेन के मीडिया की कुछ खबरों के मुताबिक मंत्रिमंडल में बदलाव के साथ ही डाउनिंग स्ट्रीट में भी बड़ा परिवर्तन हो सकता है तथा जॉनसन के कार्यकाल में रहे कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। नये मंत्रिमंडल में कारोबार मामलों के मंत्री क्वासी क्वारतेंग का नाम वित्त मंत्री के लिए चल रहा है, वहीं शिक्षा मंत्री जेम्स क्लीवरली को विदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी जा सकती है, जिसे अब तक ट्रस खुद संभाल रही थीं। इनके अलावा ब्रिटिश पाकिस्तानी साजिद जाविद के साथ ही नदीम जहावी को भी बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री बेन वालेस, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री एनी-मैरी ट्रेवेल्यान और संस्कृति मंत्री एन डोरजी अपने पदों पर बने रह सकते हैं।

भारतीय मूल की हैं सुएला ब्रेवरमैन, बन सकती हैं ब्रिटेन की अगली गृह मंत्री

काठमांडू (एजेंसी)।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री चुनाव के नतीजे आ गए हैं। पूर्व विदेश मंत्री लिज ट्रस ने भारतीय मूल के ऋषि सुनक को हरा दिया। जानकारी के मुताबिक लिज ट्रस आज ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लेंगी। इन सब के बीच खबर यह भी है कि बोरिस जॉनसन ने प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही बोरिस जॉनसन की सरकार में गृह मंत्री पद संभाल रही भारतीय मूल की प्रीति पटेल ने भी इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में लिज ट्रस अपने कैबिनेट में नए नामों को शामिल कर सकती हैं। इसी कड़ी में एक नाम खूब सुर्खियों में है। वह नाम है सुएला फर्नांडीस ब्रेवरमैन का। माना जा रहा है कि सुएला ब्रेवरमैन ब्रिटेन कैबिनेट में प्रीति पटेल का स्थान ले सकती हैं। उन्हें लिज ट्रस अपने कैबिनेट में यूके की गृह मंत्री बना सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो प्रीति पटेल और साजिद जाविद के बाद ब्रेवरमैन यूके की गृह मंत्री बनने वाली तीसरी अल्पसंख्यक होंगी।

लेकिन क्या आपको पता है कि सुएला फर्नांडीस ब्रेवरमैन का नाता भारत से है। जी हां, सुएला ब्रेवरमैन भी भारतीय मूल की हैं। उनका नाता भारत के गोवा से हैं। वह भारत के गोवा की रहने वाली हैं। इस समय एटर्नी जनरल के पद पर काबीज हैं। इनका जन्म 3 अप्रैल 1980 को हुआ था। उनके पिता का नाम क्रिस्टी और माता का नाम उमा फर्नांडीस था। यह दोनों की भारतीय मूल के ही थे। इस चुनाव में सुएला ब्रेवरमैन ने लिज ट्रस का समर्थन किया था। यही कारण है कि वह गृह मंत्री के पद के लिए सबसे प्रबल दावेदारों में से एक हैं। ब्रेवरमैन के पिता एक हाउसिंग एसोसिएशन के लिए काम करते थे। वहीं, उनकी माता नर्स और काउंसलर के तौर पर काम करते थीं। ब्रिटेन प्रधानमंत्री पद के चुनाव में जब लिज ट्रस पीछे हो रही थीं, उस वक्त सुएला ब्रेवरमैन ने उनका भरपूर समर्थन किया था।

युद्धग्रस्त यूक्रेन के परमाणु संयंत्र में तनावपूर्ण स्थिति अभी तक बरकरार

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन में स्थित यूरोप के सबसे बड़े जपोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में सोमवार को भी स्थिति तनावपूर्ण रही। संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षक रूसी हमले के कारण संकट में आए इस यूक्रेनी स्थल पर संभावित आपदा को टालने के अपने प्रयासों पर मंगलवार को रिपोर्ट देंगे। रूसी सेना ने यूक्रेनी बलों पर संयंत्र में उकसाने वाली कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि कीव के बलों ने ड्रोन से संयंत्र के क्षेत्र को रविवार को निशाना बनाया, लेकिन रूसी बल इस ड्रोन को गिराने में कामयाब रहे। मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने रात में दो बार निकटवर्ती शहर एनेरहोदार पर भी गोलाबारी की। क्रेमलिन के बलों ने मार्च की शुरुआत में इस संयंत्र पर कब्जा कर लिया था। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर संयंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। संयंत्र में यूक्रेनी कर्मियों ने काम जारी रखा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के विशेषज्ञों ने एक खतरनाक अभियान के तहत पिछले सप्ताह संयंत्र तक पहुंचने के लिए युद्ध क्षेत्र से यात्रा की। यूक्रेन के सरकारी परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालक एनेरगोएटम ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र परमाणु एजेंसी के छह में से चार निरीक्षकों ने अपना काम पूरा कर लिया है और वे स्थल से चले गए हैं। एनेरगोएटम ने बताया कि दो विशेषज्ञ संभवतः स्थायी रूप से संयंत्र में रहेंगे। संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षक मंगलवार को सुरक्षा परिषद को अपनी रिपोर्ट देंगे। ऊर्जा बाजारों में खलबली मचाने वाले युद्ध के कारण संयंत्र काफी हद तक पंगु हो गया है।

नेपाली राष्ट्रपति भंडारी ने थल सेना प्रमुख मनोज पांडे को जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सोमवार को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक निवास 'शीतल निवास' में एक विशेष समारोह में जनरल पांडे को मानद उपाधि से सम्मानित किया। नेपाल और भारत के थल सेना प्रमुखों द्वारा एक-दूसरे के देश की यात्राएं करने और एक-दूसरे देश के थल सेना प्रमुखों को मानद जनरल की उपाधि प्रदान करने की लंबी परंपरा रही है।यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी।

जनरल पांडे रविवार को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ विस्तृत बातचीत करेंगे और दोनों पड़ोसी देशों के बीच के रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर देंगे। जनरल मनोज पांडे को सोमवार को सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नेपाली सेना ने एक ट्वीट में कहा, भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने नेपाली थल सेनाध्यक्ष जनरल प्रभु राम शर्मा को विभिन्न गैर-घातक सैन्य साजोसामान सौंपे।

नेपाली सेना मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार भारत ने चार घोड़े, 10 एमपीवी (बारूदी सुरंग से सुरक्षित वाहन) और कुछ चिकित्सा उपकरणों सहित गैर-घातक साजोसामान सौंपे। यह सहायता 22.38 करोड़ नेपाली रुपये (17,51,821 अमेरिकी डॉलर) के बराबर है। सूत्रों ने बताया कि यह भारतीय सेना द्वारा दी गई विशेष सब्सिडी है, जिसमें 60 प्रतिशत अनुदान सहायता शामिल है। नेपाली सेना ने एक अन्य ट्वीट में कहा, भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सेना पैवेलियन में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

जनरल पांडे मंगलवार को नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और अन्य वरिष्ठ सैन्य और नागरिक अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे। उनकी इस यात्रा के दौरान अग्निपथ योजना के तहत नेपाल से गोरखाओं को भारतीय सेना में शामिल करने के मुद्दे पर भी चर्चा होने की संभावना है। वह आठ सितंबर को काठमांडू से नयी दिल्ली रवाना होंगे। जनरल पांडे के साथ भारतीय थल सेना के आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष अर्चना पांडे भी आई हैं।

शी चिनफिंग जल्द ही कजाकिस्तान की यात्रा पर जाएंगे

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग 14 सितंबर को कजाकिस्तान की यात्रा करेंगे और पड़ोसी देश उज्बेकिस्तान में अगले दिन आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। यह चिनफिंग की कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद करीब ढाई साल में पहली विदेश यात्रा होगी। कजाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ऐबक स्मदियारोव ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी की कजाकिस्तानी राष्ट्रपति कासिम-जोमार्त तोकायेव के निमंत्रण पर कजाकिस्तान गणराज्य की राजकीय यात्रा इस साल 14 सितंबर को करने की योजना है।

रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक ने उनके हवाले से कहा कि यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने कई सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की योजना बनाई है। शी के जनवरी 2020 के बाद पहली बार चीन से बाहर जाने की योजना के बारे में बीजिंग में कोई पुष्टि नहीं हुई है। म्यांमार आखिरी देश था जहां की यात्रा शी ने 17-18 जनवरी, 2020 को की थी। उनकी वापसी के कुछ ही दिनों बाद, चीन ने वुहान में कोरोना वायरस के बड़े पैमाने पर प्रकोप की घोषणा की थी, जो बाद में एक बड़े पैमाने पर वैश्विक महामारी में बदल गया था।

इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में लाखों मौतें हुई। तब से 69 वर्षीय शी चीन से बाहर नहीं निकले हैं और वैश्विक कार्यक्रमों में डिजिटल माध्यम से शामिल हुए हैं। शी की विदेश यात्रा का पहला संकेत हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से आया, जिन्होंने अपनी 25 जुलाई की यात्रा के दौरान शी से मुलाकात की थी और उन्हें नवंबर में बाली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया था। विडोडो ने बाद में कहा कि शी ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, लेकिन चीनी विदेश मंत्रालय ने इस पर लगातार चुप्पी साधे रखी है।

इसको लेकर संदेह है कि क्या शी 15-16 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे क्योंकि यह कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना (सीपीसी) कांग्रेस से पहले होगा। राजनयिक सूत्रों का कहना है कि शी की कजाकिस्तान यात्रा से उनके उज्बेकिस्तान के समरकंद में आठ देशों के एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

दोनों नेताओं ने अपनी भौतिक भागीदारी की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। बीजिंग मुख्यालय वाला एससीओ आठ सदस्यीय आर्थिक और सुरक्षा समूह है जिसमें चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। समरकंद शिखर सम्मेलन के बाद, भारत मध्य एशियाई गणराज्यों के प्रभावशाली समूह की अध्यक्षता संभालेगा। यदि मोदी और शी शिखर सम्मेलन में शामिल होते हैं, तो दोनों नेता 2019 में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) से इतर ब्रासीलिया में अपनी बैठक के बाद पहली बार आमने-सामने हो सकते हैं। तब से दोनों पक्षों के बीच संबंधों में मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की घुसपैठ को लेकर खटास आ गई है। सैन्य और कूटनीतिक वार्ता के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट से और गोगरा क्षेत्र से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की थी। गतिरोध हल करने के लिए दोनों पक्षों ने अब तक कमांडर स्तर की 16 दौर की बातचीत की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कारोबारी को अंतरिम जमानत आदेश में दखल से उच्च न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने 34,615 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कारोबारी अजय रमेश नवांदर को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत देने के निचली अदालत के आदेश में दखल देने से इनकार किया है। यह मामला दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) से जुड़ा है। इस बारे में निचली अदालत ने नवांदर को चिकित्सा आधार पर इलाज के लिए मुंबई जाने की अनुमति दे दी थी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने पाया कि निचली अदालत के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है।

उन्होंने कहा कि दस्तावेजों से पता चलता है कि नावंदर का मुंबई के एक अस्पताल से इलाज चल रहा था और इस तरह उन्हें जांच अधिकारी को पूर्व सूचना के साथ तीन दिन के लिए वहां यात्रा करने की अनुमति दी गई। न्यायालय ने कहा कि जांच अधिकारी मुंबई में रहने के दौरान आरोपी पर नजर रखने के लिए स्वतंत्र हैं। न्यायालय ने पांच सितंबर को जारी आदेश में कहा, वकील की ओर से पेश दस्तावेज दर्शाते हैं कि प्रतिवादी का इलाज मुंबई के लीलावती अस्पताल में हो रहा है। इस आधार पर प्रतिवादी को संबंधित जांच अधिकारी को पहले सूचना देने के साथ तीन दिनो के लिए अपने चिकित्सा उपचार के लिए मुंबई जाने की भी अनुमति है। वहीं, निचली अदालत के आदेश के जवाब में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तर्क दिया कि आरोपी को जिस भी तरह के उपचार की आवश्यकता हो सकती है, वह दिल्ली में उपलब्ध है।

पीओके से घुसपैठ के लिए आईएसआई ने बनाए हैं 9 लांच पैड, जाड़े के पहले 150 आतंकियों की घुसपैठ की योजना

जम्मू । पाकिस्तान से बड़ी संख्या में आतंकी पीओके में घुसपैठ की फिराक में हैं। सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी मिली है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 9 लॉन्चिंग पैड तैयार रखे हैं। इन लॉन्चिंग पैड के माध्यम से बड़े पैमाने पर आतंकी घुसपैठ कराने की योजना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घुसपैठ की कोशिश नाकाम करने के लिए सीमा पर बीएसएफ और सेना की गश्त बढ़ा दी गई है। वहीं, घुसपैठ के सारे रास्ते बंद होते देख आतंकी अब नए रास्तों से जम्मू-कश्मीर में दाखिल होने की साजिश रच रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की आईएसआई का प्लान है कि सर्दी के मौसम से पहले लगभग 150 आतंकियों की घुसपैठ करवाई जा सके, क्योंकि बर्फबारी के बाद घुसपैठ के रास्ते बंद हो जाते हैं। इस समय बारिश के दिनों में मक्की और घने घास की आढ़ में घुसपैठ करवाई जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान से उत्तरी कश्मीर, पुंछ और नौशेरा सेक्टर में आतंकियों की घुसपैठ की तैयारी हो चुकी है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की इनपुट के मुताबिक इस समय सीमा पार आतंकी कैंप में 150 आतंकी ट्रेनिंग ले चुके हैं और अगले आदेश का इंतजार कर रहे हैं। इनपुट के मुताबिक, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चल रहे ये आतंकी कैंप सीमा से चार से 5 किमी दूर हैं। लॉचिंग पैड को सीमा से सटे गांवों में शिफ्ट किया गया है, ताकि आतंकियों को आम लोगों की पहनावे में रखकर घुसपैठ के लिए चौकियों तक लाया जा सके।

अक्सर आतंकियों को ट्रेनिंग कैंप से लॉन्चिंग पैड पर दो से तीन दिन तक रखा जाता है, लेकिन भारतीय सेना के मजबूत ग्रिड के चलते अब ये आतंकी कई दिनों से पाक सेना की पोस्टों पर बैठे हैं। सूत्रों का कहना है कि सीमा से सटे गांव के भीतर लोगों के घरो में ही लॉचिंग पैड बना दिए गए हैं। पाकिस्तानी सेना के आधिकारी अक्सर इन घरों में आतंकियों के साथ मीटिंग करते हैं। आईएसआई ने बालाकोट, गढ़ी हबीबऊल्लाह, दुलैई, सनसा, कोटलीर, खुरैटा, गुलपूर, समानी, तत्तापानी में अपने लांचिंग पैड स्थापित किए हैं।

एम्स के मेस में परोसे जाने वाला चिकन करी और पनीर टेस्ट में फेल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेस में परोसे जाने वाले खाना को लेकर गुणवत्ता के सवाल खड़े हो रहे हैं। मेस से भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा इकट्ठा किए गए सात सैंपल में से चार कथित तौर पर मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए हैं। एफएसएसएआई की आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चिकन करी, पनीर और चटनी के सैंपल टेस्टिंग में फेल रहे। एफएसएसएआई की जांच के कुछ दिनों बाद एम्स हॉस्टल के मेस को शिकायतों के आधार पर बंद कर दिया गया था। आपको बता दें कि कैंटीन में के खानों में कीड़े मिलने की शिकायत की गई थी। एम्स प्रशासन ने हॉस्टल नंबर सात में मेस और हॉस्टल नंबर पांच में एक कैफेटेरिया को बंद करने का निर्देश दिया था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों, उपयोक्ता संगठनों के कार्यकारी सदस्यों एवं खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों द्वारा विभिन्न मेसों का औचक निरीक्षण किया गया। इसके बाद मेस और कैंटीन को 30 अगस्त 2022 से उसे बंद कर दिया गया। एम्स के डॉक्टरों ने अस्पताल के एक मेस के खाने को लेकर सवाल उठाया था। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने यह भी दावा किया कि एफएसएसएआई द्वारा निरीक्षण के बाद 10 अगस्त को हॉस्टल मेस को बंद करने का निर्देश देने के बावजूद खआने की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ और मेस भी फिर से खोल दिया गया। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते पके हुए खाने में कीड़े, खाना जहां बनता है इस हिस्सों में चूहों, प्याज और आलू जैसी सब्जियों में संक्रमण, गंदे बर्तन और खाद्य पदार्थों के पास पड़े कचरे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हो गई थी। इसके बाद एफएसएसएआई की टीम ने 25 अगस्त को अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया था। एम्स के आरडीए के एक सदस्य ने कहा, 'यह मामला नया नहीं है। कई डॉक्टरों ने मेस में घटिया भोजन की गुणवत्ता का मुद्दा उठाया है। उन्होंने हमें अपने भोजन में तिलचट्टे और कीटों की तस्वीरें भी भेजी हैं। हमने इस मामले को प्रशासन के सामने भी उठाया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह एक बड़ा स्वास्थ्य खतरा है।'

ईडी सख्त, दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के केस में सभी आरोपियों से कर सकता है पूछताछ

नई दिल्ली । दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त रूख अपना लिया है। संबंधित विभाग से कानूनी राय लेने के बाद धन शोधन रोकथाम (पीएमएलए) का मामला दर्ज किया। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए जल्द ही तलब किया जा सकता है। ईडी का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है। यह आरोप लगाया गया है कि ट्रांसजेक्शन फंड को कई तरीकों से और कई संस्थाओं का उपयोग करके वैध दिखाया गया है।

ईडी के सूत्रों ने कहा, ₹पैसों को वैध बताने के लिए कई खातों में जमा किया गया था।₹ ईडी आने वाले दिनों में सीबीआई की एफआईआर में शामिल सभी आरोपियों को जांच में शामिल होने और पीएमएलए की धारा 50 के तहत उनके बयान दर्ज कराने के लिए तलब कर सकती है। ईडी अब मामले में हरकत में आ गई है। सूत्रों ने कहा कि अधिकारी अपने मामले को पुख्ता करने के लिए दस्तावेजी और डिजिटल सबूत जुटाने में लगे हुए हैं।

करीब डेढ़ साल बाद आखिरकार पाकिस्तान ने तोड़ दिया सीजफायर, अरनिया सेक्टर में गोलीबारी

जम्मू । भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जम्मू जिले के अरनिया सेक्टर में मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे बीएसएफ की चिनाज पोस्ट के पास बीएसएफ के जवानों पर पाकिस्तान रेंजर्स ने अचानक फायरिंग कर दी। इसका बीएसएफ ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इस तरह पाकिस्तान ने सीजफायर को तोड़ दिया। बीएसएफ जवान सुबह तारबंदी के पास लगी लाईटों की मरम्मत में जुटे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में बीएसएफ ने जवाबी फायरिंग की। हालांकि फायरिंग में बीएसएफ का कुछ नुक्सान नहीं हुआ है, लेकिन दोनों ओर से 20-20 राउंड फाय किए गए। बीएसएफ के अनुसार, मंगलवार सुबह बीएसएफ के जवानों पर पाकिस्तानी रेंजर्स ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसका बीएसएफ ने माकूल जवाब दिया है। फिलहाल इस फायरिंग में बीएसएफ का कुछ भी नुकसान नहीं हुआ है। गौरतलब है कि पिछले साल 25 फरवरी 2021 को भारत और पाकिस्तान की ओर से साझा बयान जारी कर कहा गया है कि दोनों देश भारत-पाक अतंराष्ट्रीय सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर साल 2003 के युद्धविराम समझौते का पालन करेगा, लेकिन पाकिस्तान की मंशा पर पहले भी सवाल खड़े हो रहे थे कि वह ज्यादा देर तक इस सीजफायर को कायम नहीं रख सकेगा और आज ऐसा ही हुआ है। हालांकि फरवरी से पहले 2003 को भी दोनों देशों के बीच सीजफायर का एग्रीमेंट हुआ था, लेकिन पाकिस्तान ने उसे भी नहीं मानकर कई बार सीमा पर गोलाबारी की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 3323 किलोमीटर का लंबा बॉर्डर है, जिसमें 221 किलोमीटर अतंराष्ट्रीय सीमा और 740 किलोमीटर एलओसी है।

गुजरात चुनाव के लिए टिकट बंटवारे में युवाओं, महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी: कांग्रेस

अहमदाबाद (एजेंसी)।

कांग्रेस इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देगी। पार्टी की राज्य इकाई की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रमेश चेन्नीथला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य के चुनावों में नए चेहरों को भी मौका देगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने इस साल दिसंबर में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों की 'छंटनी' करने के लिए पिछले महीने तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया था। चेन्नीथला को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता शिवाजीराव मोघे और दिल्ली के पूर्व विधायक जय किशन इसके सदस्य हैं।

गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और नेता प्रतिपक्ष सुखराम राठवा स्क्रीनिंग कमेटी के पदेन सदस्य हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को अहमदाबाद में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था, जिसके बाद शाम को स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों ने कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति के साथ एक संयुक्त बैठक की, जिसमें शर्मा और ठाकोर सहित 39 सदस्य शामिल हुए। चेन्निथला ने मंगलवार को स्क्रीनिंग कमेटी की एक और बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, 'इस बार, हम टिकट वितरण में नए चेहरों, युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देंगे। इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए हमारे उम्मीदवारों की सूची प्रभावशाली होगी।'

गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा, 'कल हुई संयुक्त बैठक एक-दूसरे से परिचित होने और उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए लागू किए जाने वाले विभिन्न मानदंडों पर चर्चा करने को लेकर थी।' उन्होंने कहा कि मंगलवार कोउम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने से पहले जमीनी स्थिति को समझने के लिए, स्क्रीनिंग कमेटी वरिष्ठ नेताओं और प्रत्येक विधानसभा सीट के पार्टी प्रभारी से मुलाकात करेगी। कांग्रेस गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिएसितंबर के अंत तक अपने उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर सकती है। आम आदमी पार्टी (आप) पहले ही 19 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने किसी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।

देश में चोरी के मोबाइल फोन का डी कंपनी द्वारा आतंकवाद के लिए इस्तेमाल, खुफिया एजेंसी का बड़ा खुलासा

मुंबई (एजेंसी)।

देश के अलग-अलग हिस्सों से चोरी हुए मोबाइल फोन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए किया जा रहा है ऐसी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. दरअसल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और मुंबई क्राइम ब्रांच ने चौंकाने वाली जानकारी का खुलासा किया है कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का गिरोह यानी डी कंपनी चोरी के मोबाइल फोन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और नेटवर्क बनाने के लिए कर रही है। हाल ही में हुई खुफिया जानकारी साझा करने की बैठक में देश की विभिन्न खुफिया एजेंसियां ??मौजूद रहीं। इस दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया कि वे पिछले कुछ दिनों से एनआईए के साथ मिलकर डी-कंपनी यानी अंडरवर्ल्ड के नेटवर्क को तोड़ने का काम कर रहे हैं। क्राइम ब्रांच द्वारा की गई जांच में यह भी पाया गया है कि देश भर में चोरी हुए स्मार्टफोन के आईएमईआई नंबरों से मुंबई में डी कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तकनीक का उपयोग करके छेड़छाड़ की गई है। इस जांच में चौंकाने वाली बात सामने आई है कि एक ही चोरी हुए मोबाइल के आईएमईआई नंबर से 40 से 50 मोबाइल ऑपरेट किए जा रहे हैं. चोरी हुए इन फोन को सबसे पहले बांग्लादेश भेजा जाता है, जहां मोबाइल का आईएमईआई नंबर बदला जाता है। एजेंसियों ने संदेह जताया है कि चोरी के ये फोन बांग्लादेश से पाकिस्तान पहुंचाए जा रहे हैं। इसके बाद जांच में यह भी सामने आया है कि डी कंपनी या तो इन मोबाइल का इस्तेमाल करती है या फिर कालाबाजारी में डील करती है। क्राइम ब्रांच ने बैठक में यह भी बताया कि आरोपी द्वारा आईएमईआई नंबर बदलने के लिए इस्तेमाल किए गए लैपटॉप और तकनीक का पता लगाया जा रहा है.

रोहिंग्या समुदायों की हर तरह की मदद करेगा भारत, वापसी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना चार दिनों के भारत दौरे पर हैं। हसीना ने मंगलवार को रोहिंग्या समस्या से निपटने में भारत से मदद की उम्मीद जाहिर की है। रोहिंग्या समस्या के सवाल पर शेख हसीना ने कहा, भारत एक बड़ा देश है। यह बहुत कुछ कर सकता है। शेख हसीना के बयान के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने भी जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के सचिव विनय क्वात्रा ने कहा, 'रोहिंग्या के मसले पर बांग्लादेश की भूमिका की सराहना दुनिया भर में हुई है। हमने भी रोहिंग्या समुदायों की सहायता की है। इसमें आर्थिक सहायता भी शामिल है। आने वाले दिनों में जैसी जरूरत होगी, भारत सरकार मदद करेगी। भारत सरकार हर कोशिश का समर्थन करती है, ताकि म्यांमार में रोहिंग्या समुदायों की वापसी हो सके। इस मसले पर भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

पिछले साल संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, भारत के करीब 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रोहिंग्या मुसलमान रह रहे हैं। इसमें जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल शामिल हैं। हालांकि, बीजेपी और हिंदूवादी समूह भारत में रोहिंग्या लोगों की मौजूदगी का विरोध करते रहे हैं। नागरिक संशोधन बिल 2019 की चर्चा के दौरान ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया था कि भारत रोहिंग्याओं को कभी स्वीकार नहीं करेगा। सरकार रोहिंग्या मुसलमानों को देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताती आई है। भारत के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने रिपोर्ट के हवाले से कहा था कि रोहिंग्या मुसलमान देश में अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। इसके बाद भारत के लिए सबसे पहले मुश्किल यही है कि जब वह खुद रोहिंग्या समस्या से जूझ रहा है कि तब इस मामले में निपटने के लिए बांग्लादेश की मदद कैसे करेगा?

भारत की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन को डीसीजीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । भारत बायोटेक के इंट्रानेजल (नाक के जरिए दी जाने वाली) वैक्सीन को कोरोना वायरस के खिलाफ इस्तेमाल के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बीते 15 अगस्त को कंपनी ने नाक के रास्ते दिए जाने वाले कोविड-19 टीके के तीसरे चरण के सफल परीक्षण की घोषणा की थी। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने बताया था कि नाक के जरिए दिया जाने वाला कोविड-19 टीका 'बीबीवी154' तीसरे चरण के नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण में सुरक्षित, बेहतर तरीके से सहन करने योग्य और प्रतिरक्षाजनक साबित हुआ है।

टीके के पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण भी सफल रहे थे। बीबीवी154 को खासतौर पर नाक के जरिए शरीर में पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। नाक के जरिए टीके की खुराक देने के अलावा इसे इस तरह से डिजाइन व विकसित किया गया है जिससे निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों के लिए यह मूल्य के लिहाज से किफायती हो। बीबीवी154 को सेंट लुइस स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय के सहयोग से तैयार किया गया है। प्री क्लीनिकल सुरक्षा आकलन, बड़े पैमाने पर निर्माण, फॉर्मूला और मानव पर क्लीनिकल परीक्षण सहित वितरण प्रणाणी पर काम भारत बायोटेक ने किया। केंद्र सरकार ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के कोविड सुरक्षा कार्यक्रम के तहत उत्पाद के विकास और क्लीनिकल परीक्षण के लिए आंशिक वित्तपोषण किया।

नीतीश-केजरीवाल ने साथ किया लंच लेकिन बिना कुछ बोले निकल गए बिहार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान मंगलवार दोपहर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। यह मुलाकात दिल्ली मुख्यमंत्री निवास पर हुई। यह मुलाकात करीब एक घंटा 30 मिनट तक चली और इस दौरान दोनों नेताओं ने साथ में लंच भी किया। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार बिना मीडिया से बात किए निकल गए। वहीं इस मुलाकात के बाद केजरीवाल का ट्वीट सामने आया है। नीतीश कुमार की इस मुलाकात का उद्देश्य वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष को एकजुट करना है। इस मुलाकात के बाद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा है कि मेरे घर पधारने के लिए नीतीश जी का बहुत-बहुत शुक्रिया। देश से संबंधित कई गंभीर विषयों पर चर्चा हुई-शिक्षा, स्वास्थ्य, ऑपरेशन लोटस, इन लोगों द्वारा खुले आम एमएलए की खरीद फरोख्त करके जनता द्वारा चुनी सरकारों को गिराना, भाजपा सरकारों का बढ़ता निरंकुश भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोज़गारी जैसे मामलों पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता संजय झा भी मौजूद थे।

असली शिवसेना किसकी, इसपर आज सुनवाई कर सकता हैं सुप्रीम कोर्ट, शिंदे गुट ने जल्द सुनवाई की मांग की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में असली शिवसेना किसकी है, इस पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो सकती है। दरअसल मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कल मामले की लिस्टिंग हो सकती है। गौरतलब है महाराष्ट्र में असली शिवसेना को लेकर लंबे समय से सुनवाई लंबित है। अब महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट ने शीर्ष कोर्ट के सामने मामले की जल्द सुनवाई की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव बहुत जल्द होने वाले हैं। यह देखकर शिंदे गुट चाहता है कि असली शिवसेना पर जल्द से जल्द फैसला हो।

मंगलवार को शिंदे गुट की ओर से वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने मामले में जल्द सुनवाई की गुहार लगाई है। इसके बाद सीजेआई यूयू ललित और जस्टिस एस रविंद्र भट्ट ने कहा कि वह बुधवार को इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर सकते हैं। सीजेआई ललित ने कहा कि मैं स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कह सकता है, लेकिन आज कुछ न कुछ तो होगा जरूर। वहीं मामले की जल्द सुनवाई की बात करते हुए सीनियर एडवोकेट कौल ने कहा कि शीर्ष कोर्ट ने पांच जजों की संवैधानिक बेंच को मामला रेफर किया था। वहीं चुनाव आयोग में भी इस मामले की सुनवाई रुक गई थी।

एडवोकेट कौल ने कहा कि अब जबकि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय के चुनाव होने वाले हैं, इस मामले पर जल्द से जल्द फैसला होना चाहिए। गौरतलब है कि अगस्त में सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की बेंच ने मामले की याचिका को पांच जजों की संवैधानिक पीठ को सौंप दिया था। उस वक्त इस मामले की सुनवाई

के लिए 25 अगस्त की तारीख तय हुई थी। लेकिन अभी तक इसकी सुनवाई पेंडिंग ही है। इसके अलावा शीर्ष कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी आदेश दिया था कि 25 अगस्त तक वह असली शिवसेना पर फैसला न सुनाए। उसने यह आदेश शिंदे गुट द्वारा खुद को असली शिवसेना बताने की याचिका पर दिया था।

भारत जोड़ो यात्रा पर बोले शशि थरूर, कांग्रेस जोड़ो का लक्ष्य भी किया जा सकता है हासिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि 'भारत जोड़ो' यात्रा देश भर में कांग्रेस से जुड़े पुरुषों और महिलाओं को पार्टी के मूल्यों और आदर्शों के इर्द गिर्द एकजुट कर सकती है। थरूर ने 'भारत जोड़ो' यात्रा के एक दिन पहले कहा कि इस यात्रा से 'भारत जोड़ो' और 'कांग्रेस जोड़ो' दोनों ही लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सात सितंबर अर्थात कल से 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने जा रहे हैं। यह यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेगी और लगभग 150 दिनों की इस पदयात्रा में 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। थरूर ने कहा कि इस यात्रा का मकसद यह संदेश देना भी है कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जो भारत को जोड़कर रख सकती है और अगर जनता तक यह संदेश भली भांति पहुंच गया तो इससे पार्टी में फिर से जान आ जाएगी। थरूर के कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि कई नेता कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे जिससे निर्वाचकों को व्यापक विकल्प मिलेंगे। हालांकि थरूर ने खुद चुनाव लड़ने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद तथा अन्य आलोचकों के बयानों, कि पार्टी को 'भारत जोड़ो' के बजाए 'कांग्रेस जोड़ो' पर ध्यान देना चाहिए, के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा,'' गुलाम नबी साहब सम्मानित एवं वरिष्ठ नेता हैं और मैं उनकी बातों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता।''

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा, ''लेकिन मैं यह कहूंगा कि जनता के जुड़े मुद्दे उठा कर और यह दिखा कर कि हम उसके लिए लड़ाई लड रहे हैं, भारत जोड़ो यात्रा देश भर में कांग्रेस से जुड़े पुरुषों और महिलाओं को हमारे मूल्यों और आदर्शों के इर्द गिर्द एकजुट कर सकती है।'' उन्होंने कहा, '' तब यह 'भारत जोड़ो' और 'कांग्रेस जोड़ो' दोनों हो सकती है।'' कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा,'' मैंने केवल इस तथ्य का स्वागत किया है कि चुनाव होंगे। मेरा मानना है कि यह पार्टी के लिए काफी अच्छा है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि किस राजनीतिक दल में उसके शीर्ष पद के लिए चुनाव हुए हैं जिनमें कम से कम 10,000 मतदाताओं का बड़ा निर्वाचक मंडल हो। उन्होंने कहा,'' यकीनन यह बात संतोष देती है कि लोकतांत्रिक सिद्धांत के इस साधारण बयान से देश भर में बड़ी संख्या में लोगों ने मेरे चुनाव लड़ने की संभावना का स्वागत किया। लेकिन जैसा कि मैंने स्पष्ट कर दिया है, मैंने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव की अधिसूचना 22 सितंबर को जारी होगी जिसका मतलब है कि सहयोगियों के पास अभी यह निर्णय लेने के लिए तीन सप्ताह का वक्त और है कि वह चुनाव में खड़े होना चाहते हैं अथवा नहीं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने जोर दिया,'' उम्मीद है कि सदस्यता के व्यापक विकल्प देने के लिए कई लोग चुनाव लड़ेंगे। अभी तक मैंने न तो खुद को चुनाव लड़ने के पक्ष में रखा है और न ही इससे बाहर।'

यात्रा के बारे में, और विचारधाराओं की लड़ाई में इसके कोई निर्णायक चरण तक पहुंचने के संबंध में बात करते हुए थरूर ने कहा, '' कई तरह से यह अस्तित्व का संघर्ष है, जो हम लड़ रहे हैं संविधान में दर्ज भारत की अवधारणा की रक्षा के लिए। हम जब तक रहेंगे, कई और निर्णायक चरण आएंगे। '' कांग्रेस नेता ने कहा,'' लेकिन जो भी हो, हमें बहुसंख्यवाद के समक्ष घुटने नहीं टेकने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' इस प्रयास में अहम योगदान है। यह

पूछे जाने पर कि क्या यात्रा आम आदमी को आकर्षित कर सकेगी, थरूर ने कहा कि इस प्रकार का देशव्यापी महत्वाकांक्षी मार्च सफलता की उम्मीद के बिना नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने कहा, ''हालांकि हमारी योजना और तैयारी पक्की है लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि हम सत्तारूढ़ ताकतों की अनदेखी नहीं कर सकते।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' अगर वे देखेंगे कि यात्रा का गहरा असर पड़ रहा है तो देश का ध्यान किसी और तरफ खींचने की उनकी क्षमता पर मुझे कोई संदेह नहीं है...।'' कांग्रेस नेता ने उम्मीद जताई कि यह यात्रा पार्टी में नयी जान लाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली के विभिन्न रामलीला आयोजन समिति के प्रतिनिधियों के साथ की चर्चा

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के विभिन्न रामलीला आयोजन समिति के प्रतिनिधियों के साथ आगामी रामलीला को लेकर चर्चा की। बैठक में रामलीला के आयोजन संबंधी विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में सिसोदिया ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी केजरीवाल सरकार दिल्ली में रामलीला के आयोजन के लिए समितियों को पूरा सहयोग देगी ताकि दिल्ली के कोने-कोने में रामलीला का भव्य तरीके से आयोजन किया जा सकें। इस मौके पर सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली की रामलीला पूरे देश में प्रसिद्ध है और यह सदियों से हमारे प्राचीन परम्परा, हमारी संस्कृति व सभ्यता का अहम हिस्सा है। इन संस्कृतियों का संरक्षण करना व इन्हें प्रोमोट करना केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में हम प्राथमिकता के साथ काम कर रहे है। रामलीला का मंचन भी दिल्ली की इसी संस्कृति व सभ्यता का हिस्सा है जिसे सदियों से संजोया गया है, जिसका उदाहरण रामलीला मैदान में होने वाली रामलीला है, जहां दो सदियों से ज्यादा समय से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों के दौरान पूरी

दिल्ली एक अलग रंग में रंगी होती है और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाली रामलीलाओं में लाखों की संख्या में दर्शक अपने परिवारों के साथ शामिल होकर प्रभु श्रीराम के जीवन दर्शन को देखते है, उससे सीखते है।

सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने हमेशा दिल्ली में रामलीला के आयोजन को लेकर आयोजन समितियों का पूरा सहयोग किया है और इस साल भी केजरीवाल सरकार दिल्ली में रामलीला का आयोजन करने के लिए पूरा सहयोग व सुविधाएं देगी ताकि दिल्ली के कोने-कोने में भव्य तरीके से धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ रामलीला का मंचन किया जा सकें और दिल्ली व आसपास के लोग परिवार सहित इन आयोजनों का हिस्सा बन सकें। बैठक में चैम्बर ऑफ ट्रेड व इंडस्ट्री के चेयरमैन ब्रजेश गोयल, दिल्ली रामलीला महासंघ व लव-कुश रामलीला कमिटी, लाल किला के अध्यक्ष अर्जुन कुमार, महसचिव सुभाष गोयल, ईस्ट दिल्ली रामलीला महासंघ के अध्यक्ष व इंद्रप्रस्थ रामलीला के प्रधान सुरेश बिंदल, रामलीला कमिटी(रामलीला मैदान) के अध्यक्ष राजेश खन्ना, सम्पूर्ण रामायण कमिटी के अध्यक्ष राजेन्द्र मित्तल सहित दिल्ली के विभिन्न रामलीला कमिटी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

दिल्ली की सड़कों पर अब पीक आवर में नहीं लगेगा बैरिकेड्स

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर अब पीक आवर में बैरिकेड्स नहीं लगेगा। दिल्ली पुलिस ने आज दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में इस बात की सूचना दी। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि अपराध और कानून व्यवस्था को लेकर खास जानकारी होने पर ही बैरिकेड्स लगाया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि लावारिस बैरिकेड्स होने पर हेल्पलाइन नंबर 112 या दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को ट्विटर पर सूचित करने पर शिकायत की जा सकती है। इस शिकायत पर 3 से 5 मिनट में कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि उसने बिना पुलिसकर्मी के बैरिकेड लगाने के मामले पर नया स्टैंडिंग आर्डर जारी किया है। दिल्ली पुलिस की इस रिपोर्ट पर जस्टिस मुक्ता गुप्ता की बेंच ने स्वागत योग्य कदम बताया।

23 अगस्त को हाई कोर्ट ने दिल्ली के कई सड़कों पर बिना पुलिसकर्मी के बैरिकेड लगाने पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि इससे ट्रैफिक जाम और रोड ब्लॉक होने की समस्या होती है। कोर्ट ने स्पेशल पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) को तलब किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि शाम छह बजे जब ट्रैफिक का पीक आवर होता है उस समय भी बैरिकेड लगे होते हैं। रोड पर तीन गाड़ियां एक साथ पार कर सकती हैं लेकिन बैरिकेड लगाने की वजह से एक बार में एक ही वाहन पार करती है। कोर्ट ने डीसीपी लीगल के हस्ताक्षर से दाखिल रिपोर्ट पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि स्टैंडिंग आर्डर में बदलाव किया गया है और निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी बैरिकेड बिना पुलिसकर्मी के न हो। इस आदेश में कहा गया था कि उन सड़कों और फुटपाथ से बैरिकेड हटाए जाएं जिन सड़कों से सामान ढोए जाते हैं ताकि ट्रैफिक में कोई बाधा खड़ी न हो। रिपोर्ट में कहा गया था कि इसे लेकर सभी पुलिसकर्मियों को संवेदनशील बनाने की कोशिश की गई है।

सीबीआई अफसर की आत्महत्या पर चुप है सीबीआई : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि सीबीआई के डिप्टी लीगल एडवाइजर ने आत्महत्या कर ली। डिप्टी लीगल एडवाइजर का पद सीबीआई के अंदर काफी बड़ा और अहम पद होता है। अगर इसकी दिल्ली सरकार से उसकी तुलना करें तो डायरेक्टर ऑफ प्रोसिक्यूशन के स्तर की यह पोस्ट होती है।

उन्होंने कहा कि ये किसी विभाग के कोई साधारण लीगल एडवाइजर नहीं होते हैं। बल्कि ये प्रोसिक्यूशन के बारे में सीबीआई को सलाह देते हैं कि कैसे किसी पर मुकदमा चलेगा। इतने सीनियर लीगल अधिकारी ने आत्महत्या की है और इसके बारे में सीबीआई बिल्कुल चुप है। तीन दिन हो गए उनके अधिकारी नहीं आए। किन कारणों में उन्होंने आत्महत्या की है ? क्या वजह हो सकती है? कौन से मामले वो हैंडल कर रहे थे? इस बारे में सीबीआई ने कोई भी बात नहीं की है। भारद्वाज ने कहा कि जबकि वह बहुत ही ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ व सीनियर रैंक के अफसर थे। ऐसे अफसर ने आत्महत्या कर ली। इस बारे में सीबीआई की तरफ से कोई बयान नहीं आया कि हमारे इतने अच्छे अधिकारी ने इन कारणों से आत्महत्या कर ली। इन-इन केस में इनकी बहुत बड़ी भूमिका थी।

केंद्र सरकार सीबीआई अधिकारियों पर सिसोदिया को गिरफ्तार करने का बना रही दबाव : आतिशी

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्र सरकार की तरफ से सीबीआई अधिकारियों पर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया जा रहा है। सीबीआई अधिकारी जितेंद्र कुमार पर इतना दवाब बनाया गया की उन्होंने आत्महत्या कर ली। यह बातें आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहीं। आतिशी ने कहा कि जितेंद्र कुमार सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच में उप लीगल एडवाइजर के पद पर थे। वह दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर हो रही सीबीआई की कार्रवाई में लीगल एडवाइजर की भूमिका निभा रहे थे। एक लीगल एडवाइजर जांच अधिकारी नहीं होता है। लेकिन जांच रिपोर्ट पर अपनी कानूनी राय देता है, आखिर इस जांच के आधार पर अगली कार्रवाई क्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा सीबीआई के सभी अधिकारियों पर कई दिनों से बहुत दबाव बना हुआ है कि किसी भी तरह से मनीष सिसोदिया जी को गिरफ्तार किया जाए।

नई दिल्ली में पंचर गैंग ने कार से उड़ाये नौ करोड़ के गहने, मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के विकासपुरी इलाके में पंचर गैंग ने कार से नौ करोड़ की ज्वैलरी पर हाथ साफ किया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ितों के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, एनसीआर के एक नामी ज्वैलर्स के कर्मचारी ज्वैलरी लेकर विकासपुरी आ रहे थे। सूत्रों की माने तो कर्मचारी गुडगांव से आ रहे थे। विकासपुरी स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही उनकी कार पंचर हो गई। कुछ दूर जाकर कर्मचारी ने कार का पंचर लगवाया। उसके बाद जैसे ही वह कार में बैठा उसके होश उड़ गये। कार में रखा बैग गायब था।

पीड़ित ने मामले की सूचना तुरंत मालिक एवं पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। जहां पीड़ित ने पुलिस को

बताया कि वह गुडगांव से दिल्ली आ रहा था। पीड़ित कर्मचारी के साथ कार का ड्राइवर था। पीड़ित के अनुसार, कार में रखा बैग गायब था। उसमें नौ करोड़ की ज्वैलरी एवं अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित के बयान पर केस दर्ज किया। साथ ही आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। सूत्रों के अनुसार, यह ज्वैलरी प्रर्दशनीय में लगने वाली थी। वहीं हैरानी की बात यह है कि जहां यह घटना हुई, वहां से थाना चंद कदम की दूरी पर है। सूत्रों के अनुसार वह कार के ड्राइवर एवं कर्मचारी से भी पूछताछ कर रही है।

लिफ्ट में पालतू कुत्ते ने बच्चे को काटा, फिर भी नहीं पसीजा महिला का दिल, मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन की चार्म्स कैसल सोसायटी की लिफ्ट में एक महिला के पालतू कुत्ते ने बच्चे को काट लिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमे कुत्ता बच्चे को काटता दिखाई दे रहा है। वही बच्चे को संभालने या पूछने के बजाय महिला चुपचाप खड़ी रही और बच्चा दर्द से कराहता रहा। बच्चे के पिता ने महिला के खिलाफ तहरीर दी है।

सोसाइटी में रहने वाला एक नौ वर्षीय बच्चा चौथी क्लास में पढ़ता है बच्चा सोमवार शाम ट्यूशन से लौट रहा था। सोसायटी की लिफ्ट में एक महिला अपने पालतू कुत्ते के साथ प्रवेश करती है। महिला कुत्ते के साथ लिफ्ट में पीछे की ओर आती है तो बच्चा कुत्ते से बचने के लिए लिफ्ट में आगे की तरफ जाता है। इसी दौरान कुत्ता बच्चे पर हमला कर देता है और उसकी कमर के पास काट लेता है। बच्चा दर्द से कराहते हुए कटे

हुए स्थान पर पकड़ लेता है। दर्द के कारण वह पैर भी जमीन पर नहीं रख पाता और लंगड़ाने लगता है। महिला उसे संभालने का प्रयास भी नहीं करती। घटना लिफ्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। क्षेत्रीय अधिकारी आलोक दुबे ने बताया के परिजनों ने इसकी शिकायत थाना नंदग्राम पुलिस मुकदमा दर्ज कर लिया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेसबॉल के बैट से पति ने पत्नी को पीटा, फिर गला घोंटकर की हत्या

गाजियाबाद । मसूरी थाना क्षेत्र में एक ढाबा संचालक ने अपनी पत्नी को बेसबॉल के बैट से बेरहमी से पीटा फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित पति मौके से फरार हो गया। मृतका के परिजनों ने उसके पति व ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी आकाश पटेल ने बताया कि खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले यतिन ने चार भाई-बहनों में से अपनी सबसे बड़ी बहन टीना (24) की शादी एक दिसम्बर 2021 को थाना मसूरी क्षेत्र के गांव मिसलगढ़ी के रहने वाले गौरव से कराई थी। गौरव का डासना स्थित एनएच-9

आईएमएस कॉलेज के सामने ढाबा है। गौरव शादी के बाद से ही उनकी बहन को दहेज के लिए परेशान करता था। मांग पूरी नहीं होने पर उसका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया जाने लगा। गौरव ने अपनी पत्नी टीना को पहले बेसबॉल के बैट से बेरहमी से पीटा और सिर फाड़ दिया। इसके बाद आरोपित ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

> घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित पति मौके से फरार हो गया। मृतका के परिजनों ने उसके पति व ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। ससुराल पक्ष के कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुख्य हत्यारोपित पति को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।

दहेज के लिए ससुराल वालों ने महिला को जलाया

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में दहेज के लिए ससुराल वालों ने एक महिला को जला दिया। 60 फीसदी झुलसी हुई पीड़ित बरखा (33) को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस व क्षेत्रीय एसडीएम को दिए बयान में महिला ने अपने पति व ससुर पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित का बयान लेकर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल वारदात के बाद पति व ससुर फरार हैं। पुलिस के मुताबिक बरखा परिवार के साथ गली नंबर-1, सरपंच का बाड़ा, मंडावली इलाके में रहती है। इसके परिवार में पति विनोद कुमार के अलावा दो बच्चे हैं। करीब 11 साल पहले बरखा की विनोद से शादी हुई थी। पुलिस को दिए बयान में बरखा ने बताया है कि शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए परेशान किया जाता था। शुक्रवार को पति विनोद व ससुर ने बरखा से पांच लाख रुपये लाने के लिए कहा। उनका कहना था कि वह अपने घर जाए और अपने पिता से पांच लाख रुपये लेकर आए। मना करने पर आरोपितों ने उसके साथ गला-गलौच शुरू कर दी। इस बीच उसके पति ने उसपर कोई ज्वलनशील पदार्थ डालकर जला दिया। शोर-शराबा हुआ तो पड़ोसी वहां आ गए। बरखा के परिजनों को खबर दी गई।

नोएडा का मास्टर प्लान 2041 तैयार, मंजूरी के लिए बोर्ड बैठक में भेजा जाएगा शासन

नोएडा। नया नोएडा बसाने की तैयारी तेज हो गई है।बुलंदशहर और दादरी के 87 गांवों की जमीन पर बनने वाले नए नोएडा का मास्टर प्लान 2041 लगभग तैयार कर लिया गया है। सिर्फ जमीन अधिग्रहण और फाइनेनशियल मॉडल पर मुहर लगनी बाकी है।नए नोएडा में वर्तमान नोएडा के मुकाबले दोगुने जगह पर उद्योग लगाए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि इसी महीने बोर्ड बैठक में मास्टर प्लान को शासन को मंजूरी के लिए भेज देंगे। नया नोएडा को बसाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर(एसपीए) दिल्ली को दी थी। इसके लिए जुलाई 2021 में एमओयू साइन किया गया था। प्राधिकरण को अब एसपीए ने मास्टर प्लान तैयार कर नोएडा सौंप दिया है। इस रिपोर्ट को इसी महीने बोर्ड बैठक कराकर उसमें रखा जाएगा। अधिकारियों ने दावा किया कि नोएडा शहर को बसाने में जो कमियां रह गई। उनको दूर कर नए नोएडा को बेहतर शहर बनाएंगे।

अधिकारियों का दावा है कि नए नोएडा में अतिक्रमण दूर-दूर तक नहीं होगा।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर जो ने मास्टर प्लान तैयार कर नोएडा सौंप दिया है। उसके मुताबिक नया नोएडा करीब 20 हजार हेक्टेयर में बसाया जाएगा। जिसमें 41 प्रतिशत में औद्योगिक संपत्ति, 11.5 प्रतिशत आवासीय, 17 प्रतिशत हरियाली और रिएक्शनल, 15.5 प्रतिशत में सड़क, 9 प्रतिशत संस्थागत और 4.5 प्रतिशत स्थान व्यावसायिक संपत्ति के लिए प्रयोग के लिए चिन्हित किया गया है।

पूरा शहर एक साथ बसाने के बजाए इसे अलग-अलग चार जोन में बांटकर बसाया जाएगा।विशेष निवेश क्षेत्र करीब 210 वर्ग किमी में बसाया जाएगा।उदाहरण के तौर पर साउथ जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, नार्थ जोन आदि में बांटा जाएगा।प्रत्येक जोन में अलग-अलग इंडस्ट्री का हब होगा। अप्रैल 2023 तक शासन से मंजूरी लेने के प्रयास किए जाएंगे। इसके बाद वर्ष 2041 तक पूरा नया नोएडा शहर बसा दिया जाएगा।

यह मास्टर प्लान जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम (जीआईएस) यानी सेटेलाइट आधारित बनाया जा रहा है।इस सिस्टम पर आधारित मास्टर प्लान से घर बैठे ही निवेशक नए नोएडा के सभी जोन व सेक्टर भूखंडों की जानकारी ऑनलाइन हासिल कर सकेंगे।

पोषण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी जरूरी : डा. मंजू शिवाच

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन सुपोषण को साकार करने और पोषण अभियान के प्रभावशाली क्रियान्यवयन के लिए इसे जनांदोलन बनाना आवश्यक है। सामुदायिक भागीदारी से ही पोषण अभियान सही मायने में सफल हो सकेगा। सभी गर्भवती और धात्री माताएं पोषण के महत्व को समझें। खुद सुपोषित हों और अपने बच्चों को भी सुपोषित करें। यह बातें भोजपुर ब्लॉक से पोषण रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय मोदीनगर विधायक डा. मंजू शिवाच ने कहीं। उन्होंने कहा कि मैं पेशे से डाक्टर होने के नाते यह बात कह सकती हूं कि मां यदि सुपोषित होगी तो उसका बच्चा कभी कुपोषित नहीं हो सकता। इसलिए बच्चे की सेहत के लिए पहले एक हजार दिन महत्वपूर्ण माने जाते हैं, इन एक हजार दिनों में गर्भकाल के नौ माह भी शामिल हैं।

भोजपुर बाल विकास परियोजना की ओर से आयोजित

पोषण रैली को विधायक डा. मंजू शिवाच और भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुचेता सिंह ने इस मौके पर रैली में शामिल आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को संबोधित करते हुए कहा - सुपोषित बचपन के लिए आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। गृह भ्रमण के दौरान घर के जिम्मेदार लोगों को पोषण के बारे में विस्तार से समझाएं। खासकर किशोरी और गर्भवती के लिए जरूरी पोषण के बारे में बताएं। सुपोषित किशोरी ही आगे चलकर सुपोषित मां बनेगी और सुपोषित मां ही एक सुपोषित बच्चे को जन्म देगी। भोजपुर बाल विकास परियोजना अधिकारी सुमन शर्मा ने बताया शासन के आदेशों के अनुपालन में सितंबर माह 2022 को 'राष्ट्रीय पोषण' माह के रूप में मनाया जा रहा है। पोषण अभियान एक बहु मंत्रालयी कन्वर्जेन्स मिशन है, जो कि प्रधानमंत्री के मिशन सुपोषण भारत (कुपोषण मुक्त भारत) पर आधारित है। पोषण अभियान के प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु सामुदायिक जागरूकता के लिए बाल विकास परियोजना भोजपुर में पोषण रैली का आयोजन किया गया है। इस मौके पर भोजपुर विकास खंड अधिकारी सुधीर कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. नीरज कुमार और सुपरवाइजर आरती राठी, सुनीता सैनी, बृजेश रानी और समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका उपस्थित रहीं।

ब्लाक स्तर पर 30 सितम्बर तक जारी रहेंगे प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के शिविर

नोएडा। जनपद में प्रधानमंत्री मातृ वंदना सप्ताह चल रहा है। यह अभियान (सप्ताह) सात सितम्बर तक जारी रहेगा। जनपद में अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए सात सितम्बर के बाद 30 सितम्बर तक सभी ब्लाक पर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के शिविर लगे रहेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने बताया- हालांकि प्रधानमंत्री मातृ वंदना सप्ताह अधिकारिक रूप से सात सितम्बर को समाप्त हो जाएगा, लेकिन योजना के तहत जनपद के सभी ब्लाक- बिसरख, दादरी दनकौर, जेवर में आयोजित शिविर 30 सितम्बर तक जारी रहेंगे। लाभार्थी वहां जाकर अपनी समस्या का समाधान और फार्म में सुधार करवा सकते हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नोडल अधिकारी डा. भारत भूषण ने बताया- समस्त पात्र गर्भवती एवं धात्री माताओं को लाभ पहुंचाने, जन-जन तक योजना का लाभ, स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक से सात सितम्बर तक मातृ वंदना सप्ताह समारोह पूर्वक मनाया जा रहा है। सप्ताह के अंतर्गत गर्भवती को उचित आराम एवं पोषण की आवश्यकता, नियमित प्रसवपूर्व देखभाल, संस्थागत प्रसव, शिशु टीकाकरण, गर्भवती को स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता आदि गतिविधियों पर फोकस किया जा रहा है। डा. भारत भूषण ने बताया- योजना के तहत पहली बार गर्भवती (मां बनने) होने पर महिला को तीन किस्तों में पांच हजार रुपये दिए जाते हैं, प्रसव चाहे सरकारी या निजी अस्पताल में कराया गया हो। पंजीकरण के लिए माता-पिता का आधार कार्ड, मां की बैंक पासबुक की फोटो कापी जरूरी है। मां का बैंक अकाउंट ज्वाइंट नहीं होना चाहिये।